कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 324 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज शुक्रवार 19 नवम्बर 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।

क्रियायोग

हं क्षं

परमात्म अनुभूति का सर्वोच्च मार्ग

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

प्रियंका गांधी के निजी सचिव समेत 4 कांग्रेस नेताओं पर मुकदमा

लखनऊ। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के निजी सचिव समेत चार लोगों के खिलाफ लखनऊ के हुसैनगंज थाने में केस दर्ज कराया गया है। थाने में दर्ज रिपोर्ट में मारपीट के आरोप लगाए गए हैं। जिन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है उनमें कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के निजी सचिव संदीप सिंह, प्रदेश महासचिव शिव पांडेय और प्रशासन प्रभारी योगेश दीक्षित के नाम भी शामिल हैं। लखनऊ के हुसैनगंज थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि बुधवार की देर रात प्रशांत कुमार नाम के शख्स ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि कांग्रेस के बड़े नेता योगेश कुमार दीक्षित, शिव पांडेय और प्रियंका गांधी के निजी सचिव संदीप सिंह ने उनके साथ मारपीट की गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था ये सभी लोग रात के अंधेरे में ताका-झांकी करते थे, जिसका विरोध किया तो सभी लोगों ने मारपीट शुरू कर दिया।

भारत ने 100 से अधिक देशों को भेजा कोरोना टीका, बना दुनिया की फामेर्सी : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत ने इस साल 100 से अधिक देशों को कोविड-19 रोधी टीकों की 6.5 करोड़ खुराक का निर्यात किया और आने वाले दिनों में वह अपनी क्षमता में वृद्धि करने के बाद और भी खुराक निर्यात करेगा। मेडिसिन सेक्टर के पहले ग्लोबल इनोवेशन समिट में प्रधानमंत्री ने दावा किया कि भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र ने जो वैश्विक भरोसा हासिल किया है उसकी वजह से आज देश को दुनिया की फामेर्सी कहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की नजर इनोवेशन के लिए एक ऐसा माहौल विकसित करने पर है जिससे देश, दवाओं की खोज और मेडिकल इक्विपमेंट के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करे। उन्होंने कहा, हमारी नीतियां सभी हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के आधार पर बन रही हैं।

प्रधानमंत्री ने भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की क्षमता वाले वैज्ञानिकों और साइंटिस्ट की व्यापक उपलब्धता का हवाला देते हुए कहा कि खोज करने और भारत में निर्माण करने की क्षमता का और भी उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, आज करीब 13 अरब डॉलर के व्यापार अधिशेष और 30 लाख लोगों को रोजगार देने वाला फार्मा क्षेत्र देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। देश के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में वर्ष 2014 से 12 अरब डॉलर से अधिक विदेशी निवेश आया है। क्षेत्र की क्षमता इससे कहीं अधिक है। उन्होंने इस क्षेत्र में निवेश करने वालों से भारत में निवेश करने का आग्रह भी किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य भारत के दवा उद्योग में नवाचार के उत्कृष्ट परिवेश या माहौल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्राथमिकताओं पर चर्चा करना और रणनीति बनाने के लिए सरकार और उद्योग जगत के प्रमुख भारतीय और अंतरराष्ट्रीय हितधारकों, शिक्षाविदों, निवेशकों और शोधकताओं को एक मंच पर लाना है। इस दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के दौरान 12 सत्र होंगे और 40 से भी अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वक्ता नियामकीय माहौल, नवाचार का वित्त पोषण या धनराशि की व्यवस्था करने, उद्योग-अकादमिक सहयोग और नवाचार संबंधी बुनियादी ढांचागत सुविधाओं सहित कई विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे।

आर्थिक अपराध कर भागने वालों को भारत लाने के लिए क्या कर रही सरकार, पीएम ने बताया, बोले- वापस लौटना ही होगी

नई दिल्ली, एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार हाई-प्रोफाइल आर्थिक अपराधियों को देश में वापस लाने की पूरी कोशिश कर रही है। पीएम मोदी ने कहा कि इन अपराधियों को वापस लाने के लिए डिप्लोमैटिक समेत अन्य सभी चैनलों के जरिए कोशिश की जा रही है। कोशिश यह है कि इन अपराधियों के पास भारत वापस लौटने के अलावा कोई दूसरा विकल्प ना बचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निर्बाध ऋण प्रवाह एवं आर्थिक वृद्धि के लिए सिनर्जी का निर्माण विषय पर आयोजित एक परिचर्चा को संबोधित कर रहे थे। पीएम मोदी ने बैंकों से कहा कि वो धन-संपत्ति का सृजन करने वालों और नौकरियां पैदा करने वालों का समर्थन करें।

हर घंटे, हर दिन की कीमत चुकानी पड़ेगी, देशमुख को गिरफ्तार करने वालों को शरद पवार की धमकी

नागपुर। महाराष्ट्र सरकार के पूर्व गृह मंत्री और एनसीपी नेता अनिल देशमुख की गिरफ्तारी को लेकर पार्टी चीफ शरद पवार का गुस्सा फूटा है। शरद पवार ने बीजेपी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि जिन लोगों ने अनिल देशमुख को जेल भिजवाने में भूमिका निभाई है, उन्हें ऐसा करने की कीमत चुकानी पड़ेगी। पवार ने बुधवार को नागपुर में एक रैली के दौरान देशमुख को बेगुनाह बताते हुए ये बातें कहीं।

अनिल देशमुख को मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था और फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में हैं। इतना ही नहीं पवार ने अनिल देशमुख पर कई आरोप लगाने वाले मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह के लापता होने पर भी सवाल उठाए। परमबीर सिंह के आरोपों के बाद ही अनिल देशमुख को मंत्रीपद से इस्तीफा देना पड़ा था। शरद पवार ने नागपुर में कहा, हमने अनिल बाबू का केस देखा। उनका अपराध क्या था आप सब अच्छे से जानते हैं। एक दिन, परमबीर सिंह मुझसे मिलने आए और बताया कि उन्होंने सीएम से देशमुख की शिकायत की है। जब मैंने उनसे पूछा कि यह शिकायत किस बारे में है, तो उन्होंने कहा कि देशमुख ने उन्हें उगाही करने का निर्देश दिया था। तब मैंने परमबीर से पूछा कि क्या उसने निर्देश माना। उन्होंने न में जवाब दिया। समझ नहीं पाया कि देशमुख का अपराध क्या था क्या उनके कथित निर्देश का पालन न हो पाना बता दें कि परमबीर सिंह ने आरोप लगाया था कि देशमुख ने उन्हें हर महीने मुंबई के कारोबारियों और अन्य व्यवसायीयों से 100 करोड़ रुपये की उगाही करने का निर्देश दिया था।

मधुबनीः कोर्ट में एडीजे के साथ थानेदार ने की मारपीट

जज पर पिस्टल भी तानी, लोगों ने पुलिस अफसर को पीटा

झंझारपुर(मधुबनी)। मधुबनी में कोर्ट के अंदर ही एडीजे पर एक थानेदार ने हमला बोल दिया। थानेदार ने जज के साथ मारपीट की और उन पर पिस्टल भी तान दी। इस दौरान थानेदार के साथ एक दरोगा भी मौजूद था। थानेदार की कारस्तानी से कोर्ट परिसर में खलबली मच गई। कोर्ट परिसर में मौजूद अधिवक्ताओं ने थानेदार के हाथ से पिस्टल छीनी और उसे पकड़कर जमकर धुना। आपाधापी और मारपीट में पुलिस के दोनों अधिकारी और जज के अलावा एक कर्मचारी और कुछ अधिवक्ता घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक एडीजे प्रथम अविनाश कुमार ने घोघरडीहा थानाध्यक्ष गोपाल कृष्ण को उसी थाना क्षेत्र की एक महिला आशा देवी द्वारा दिए गए एक आवेदन के बारे में

पूछताछ के लिए बुलाया था। बुधवार को ही पुलिस अधिकारी को बुलाया गया था जबकि वह गुरुवार को एएसआई अभिमन्यु कुमार शर्मा के साथ पहुंचे। पूछताछ के दौरान ही कहासुनी हो गयी। इस पर थानेदार ने जज के साथ हाथापाई शुरू कर दी। थानेदार ने पिस्टल भी तान दी।

एडीजे के साथ हाथापाई से अचानक अफरातफरी मच गई। एडीजे के चैंबर से हल्ला मचने पर कोर्ट परिसर में मौजूद अधिवक्ता और कर्मचारी दौड़कर चैंबर में पहुंचे और थानाध्यक्ष के हाथ से उसका पिस्टल छीनकर स्थिति को काबू में किया। थानेदार को काबू में करने के साथ ही भीड़ ने दोनों पुलिस अधिकारियों की पिटाई की। घटना की सूचना मिलते ही सारे अधिवक्ता न्यायालय कक्ष के समक्ष जमा हो गए और दोनों पुलिस अधिकारियों को अपने कब्जे में लेकर चैंबर में ही धकेल कर बंद कर दिया। अधिवक्ताओं का कहना है यह दोनों पुलिस अधिकारी को कोर्ट से ही रिमांड कर भेजा जाए और प्राथमिकी दर्ज की जाए। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम और डीएसपी मौके पर पहुंचे। दोनों अधिकारी एडीजे के साथ बैठक कर रहे हैं।

कुलभूषण जाधव केसः पाकिस्तान के नए कानून पर भारत ने उठाए सवाल, कहा- पुनर्विचार के लिए कोई तंत्र नहीं बनाया

नई दिल्ली। पाकिस्तान की ओर से कुलभूषण जाधव को सैन्य अदालत की ओर से दोष सिद्ध होने के खिलाफ समीक्षा अपील दायर करने का अधिकार देने के लिए संसद की ओर से कानून बनाए जाने पर भारत ने सवाल खड़ा किया है। भारत ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान ने अध्यादेश के जरिए जाधव के मामले की प्रभावी समीक्षा और पुनर्विचार के लिए कोई तंत्र नहीं बनाया है जबकि इंटरनेशन कोर्ट के पहले के फैसले के तहत यह अनिवार्य है। पाकिस्तान की ओर से अध्यादेश लाने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा है कि कानून केवल पिछले अध्यादेश की कमियों को संहिताबद्ध करता है। भारत ने कहा कि जाधव के मामले में पाकिस्तान बिना किसी रोक-टोक के काउंसलर पहुंच से इनकार करता रहा है और और वैसा महौल बनाने में विफल रहा है जिसमें निष्पक्ष सुनवाई की जा सके।

जिन्ना के बाद अब चिलमजीवी वाले बयान पर घिरे अखिलेश, संत समाज ने कहा, माफी मांगें सपा प्रमुख

लखनऊ। जिन्ना का समर्थन करने के बाद अखिलेश यादव अब अपने चिलमजीवी वाले बयान पर घिरते नजर आ रहे हैं। संत समाज ने अखिलेश यादव के इस बयान का विरोध शुरू कर दिया है। अखिल भारतीय संत समिति ने अखिलेश यादव से उनकी चिलमजीवी टिप्पणी पर माफी मांगने को कहा है। संत समाज का कहना है कि सनातन परंपरा के अनुसार, यूपी के सीएम एक सम्मानित और सम्मानित मठ के पीठाधीश्वर हैं। भारत में प्राचीन काल से ही धर्म हमेशा कानून के शासन से ऊपर रहा है। सिर्फ इसलिए कि एक संत को मुख्यमंत्री पद दिया गया, किसी को भी उसे गंदी राजनीति का शिकार बनाने का अधिकार नहीं है, उन्हें निशाना बनाने के लिए संत समाज को लेकर कोई आपत्तिनक और निम्न स्तरीय टिप्पणी नहीं की जानी चाहिए। स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि अखिलेश यादव और उनके

प्रवक्ताओं को संतों का अपमान करने के लिए पूरे संत और सनातन समाज से तुरंत माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर अखिलेश यादव माफी नहीं मांगते हैं तो संत समाज पूरे देश में सक्रिय रूप से घर-घर जाकर उनके खिलाफ जन समर्थन की अपील करेगा।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को गाजीपुर से विजय रथयात्रा के चौथे चरण का शुभारंभ किया था। रथ लेकर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर चढ़ते ही अखिलेश ने जबरदस्त हमला बोला था। अखिलेश ने बिना किसी का नाम लिये कहा था कि एक रंग वाले चिलमजीवी कभी यूपी को खुशहाली के रास्ते पर नहीं ले जा सकते। अखिलेश यादव ने कहा था कि इस गाजीपुर से उस गाजीपुर बार्डर (जहां किसान आंदोलन चल रहे हैं) तक अगले विधानसभा चुनाव मे बदलाव होगा। हर वर्ग के लोग बदलाव चाहते हैं। आज तो यह शुरूआत है, फिर एक बार सभा होगी। ऐतिहासिक सभा होगी। अखिलेश ने लोगों के हुजूम में लहराते झंडों की ओर इशारा करते हुए कहा था कि यहां लाल, पीला, हरा, नीला हर रंग का इंद्रधनुष दिखाई दे रहा है। भगवा रंग पर हमला करते हुए कहा था कि एक रंग वाले किसी के जीवन में रंग नहीं ला सकते। हम समाजवादी लोग सभी रंग वालों को साथ लेकर चलते हैं। एक रंग वाले चिलमजीवी कभी उत्तर प्रदेश को खुशहाली के रास्ते पर नहीं ले जा सकते हैं। अखिलेश यादव के चिलमजीवी वाले बयान पर राजनीति शुरू हो गई। संत समाज पहले ही इसका विरोध कर चुका है। अब अखिलेश यादव की इस बयानबाजी पर भाजपा ने भी हमला बोल दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा, कांग्रेस, सपा और बहुजन समाज पार्टी समेत पूरे विपक्ष ने हमेशा भगवान रंग का अपमान किया है।

मनोहर पर्रिकर के बेटे छोड़ेंगे बीजेपी कहा- पार्टी ने टिकट नहीं दिया तो...

पणजी। गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर के बेटे उत्पल पर्रिकर ने गुरुवार को पार्टी को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आगामी विधानसभा चुनाव में पणजी से उन्हें भारतीय जनता पार्टी ने टिकट नहीं दिया तो उन्हें कठिन फैसला करना होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी भरोसा जताया कि बीजेपी उन्हें इस सीट से टिकट जरूर देगी। पूर्व रक्षामंत्री ने इस सीट से 25 साल से अधिक समय तक प्रतिनिधित्व किया। उत्पल पर्रिकर ने कहा, मैंने पार्टी को पहले ही कह दिया है कि मैं पणजी से चुनाव लड़ना चाहता हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि पार्टी मुझे टिकट देगी। सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले अतानासियो मोनसेरेट, 9 अन्य विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए, जिन्होंने कांग्रेस के टिकट पर 2017 का चुनाव जीता था। उत्पल पर्रिकर से जब यह पूछा गया कि बीजेपी से टिकट नहीं मिलने पर वह क्या करेंगे तो उन्होंने कहा कि यह इस बारे में बात करने का समय नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे अभी उस पर बात करने की जरूरत नहीं है। मनोहर पर्रिकर को उनके जीवन में कुछ आसानी से नहीं मिला।

यूपी में फिर एक बार योगी सरकार बनाने को बीजेपी ने कसी कमर, नड्डा-शाह-राजनाथ बूथ वर्कर्स को देंगे मंत्र

नई दिल्ली। जैसे-जैसे उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेता बूथ प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के साथ अपनी चुनावी रणनीति को अंतिम रूप दे रहे हैं। भाजपा कार्यकताओं को मतदान केंद्र स्तर पर लामबंद करने की तैयारी जोरों पर है। भगवा पार्टी की इस रणनीति ने पिछले तीन चुनावों में पार्टी को काफी फायदा पहुंचाया है। भाजपा ने बूथ स्तर तक समितियों के गठन और सत्यापन का काम पहले ही पूरा कर लिया है। पन्ना प्रमुखों (एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची के व्यक्तिगत पृष्ठों के प्रभारी पार्टी कार्यकर्ता) को भी नियुक्त किया गया है। अब इन बूथ समितियों को उनकी चुनावी भूमिका के बारे में बताया जाएगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसके लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 22-23 नवंबर तक यूपी के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे राज्य इकाई के अधिकारियों के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति पर चर्चा करेंगे और चुनावी तैयारियों की समीक्षा करेंगे। इस दौरे के दौरान नड्डा लखनऊ में राज्य मुख्यालय में फील्ड वर्कर्स से भी बातचीत करेंगे। कानपुर, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ के पार्टी कार्यकताओं को बूथ प्रबंधन और 2022 के विधानसभा चुनावों के लिए सदस्यता अभियान के लक्ष्यों में प्रगति के बारे में जानकारी दी जाएगी। भाजपा अध्यक्ष 22 नवंबर को गोरखपुर में बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन को संबोधित करेंगे। अगले दिन वह कानपुर में बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। यूपी चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान और अन्य प्रभारी भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा 25 नवंबर को अवध क्षेत्र के सीतापुर और वाराणसी मंडल के जौनपुर में भी बूथ अध्यक्ष सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इन दोनों सम्मेलनों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ब्रज क्षेत्र और पश्चिमी यूपी में बूथ सम्मेलनों में शामिल होंगे, जिनकी तारीखों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

कंगना रनौत के भीख में मिली आजादी वाले बयान पर शशि थरूर बोले- अपने इतिहास को फिर से पढ़ना चाहिए

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत के भीख में मिली आजादी वाली बयान पर कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर ने पलटवार किया है। थरूर ने कहा कि कंगना रनौत को इतिहास की जानकारी नहीं। शशि थरूर ने कहा कि मुझे लगता है कि कंगना रनौत को अपने इतिहास को फिर से पढ़ना चाहिए। पिछले दिनों पद्मश्री पुरस्कार पाने के बाद कंगना ने बयान दिया था कि असल आजादी तो साल 2014 में मिली। 1947 में तो भीख मिली थी। एक बातचीत करते हुए कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि मुझे लगता है कि उन्हें अपने इतिहास को फिर से पढ़ना चाहिए, उन्हें जरा भी अंदाजा नहीं है कि वो क्या कह रही है। थरूर ने आगे कहा कि क्या कंगना रनौत को सच में लगता है कि महात्मा गांधी आजादी के लिए भीख मांगेंगे। महात्मा गांधी तो ऐसे शख्स थे जिन्होंने अंग्रेजों से कहा था कि आपका कानून अन्याय करता है और मैं उसको तोड़ता हूं, आप मुझे सजा दीजिए। मैं आपकी दी हुई सजा को स्वीकार करूंगा। क्या कोई भीख

मांगने वाला व्यक्ति ऐसा करता है।

थरूर ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के बारे में इस तरह की बात करना भी हास्यास्पद है। कल्पना कीजिए कि बिना हथियार ऐसी जगह जाना जहां आगे से लाठियां बरसें। लाला लाजपत राय की हत्या ही अहिंसक प्रदर्शन के दौरान हुए लाठीचार्ज में सिर पर लाठी लगने से हुई थी। इसमें ज्यादा साहस की जरूरत होती है, बजाय कि बंदूक लेकर किसी को मारने जाना और सामने से गोली खाने के। थरूर ने कहा कि कंगना को फिर से इतिहास पढ़ने की जरूरत है।

खबर संक्षेप

सस्ते गल्ले की दुकान का लाइसेंस निरस्त करने का आदेश रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनवाई का मौका दिए बगैर सस्ते गल्ले की दुकान का लाइसेंस निरस्त करने के आदेश को रद्द कर दिया है। साथ ही दुकान बहाल करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा ने मऊ जिले के रामाधार की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि यदि चाहें तो नए सिरे से नोटिस जारी कर नियमानुसार कार्यवाही कर सकते हैं।याचिका पर अधिवक्ता मयंक कृष्ण सिंह चंदेल व वीके चंदेल ने बहस की। इनका कहना था कि बीपीएल व अंत्योदय कार्ड धारकों की शिकायत पर याची को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। आपूर्ति निरीक्षक ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा। याची ने सफाई दी। जांच रिपोर्ट पर एसडीओ सदर ने 15 जुलाई 2009 को दुकान का लाइसेंस बहाल कर दिया। पांच दिन बाद उसी शिकायत पर सीनियर आपूर्ति निरीक्षक ने जांच के बिना नोटिस जारी किए रिपोर्ट दी। एसडीओ ने लाइसेंस निरस्त कर दिया। कमिश्नर आजमगढ़ ने आदेश के खिलाफ अपील भी खारिज कर दी, जिसे याचिका में चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि कार्यवाही से पहले सुनवाई का मौका दिया जाना चाहिए था। ऐसा न कर लाइसेंस निरस्त करना अवैध है। कोर्ट ने दोनों आदेश रद्द कर दिया है।

भाजपा नेता को गोली मारने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा, चार फरार

अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगी है क्राइम ब्रांच की टीम

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। भाजपा गंगापार किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष को गोली मारने के मामले में फाफामऊ पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जांच के बाद दोनों को जेल भेज दिया है। पुलिस ने वादी के पहचान करने पर गद्दोपुर के सुरेंद्र कुमार उर्फ कल्लू प्रजापति और अतुल द्विवेदी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बताते चलें कि आठ नवंबर की रात फाफामऊ क्षेत्र के लेहरा गांव के भाजपा गंगापार के किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष और प्रॉपर्टी डीलर अजय शर्मा (35) पर गोशाला के बाहर नकाबपोश बदमाशों ने गोलियां बरसा दी थी। सूचना पर परिजनों ने घायल भाजपा नेता को गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर गोलियां निकाल दी थी। वही भाजपा नेता को गोली लगने के बाद शहर के एक निजी अस्पताल में एडमिट किया गया था। 9 नवंबर को डाक्टरों की टीम ने आपरेशन का चार गोलियां उनके शरीर से निकाल दी थी। अब अजय शर्मा को डिस्चार्ज किया जा चुका है। वह पिछले तीन दिनों से घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रहे है।

गिरफ्तारी के लिए लगी है क्राइम ब्रांच

तहरीर के आधार पर फाफामऊ पुलिस ने 6 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच की भी टीम को लगा दिया गया है। कुछ संदिग्धों को पिछले दिनों हिरासत में लिया गया था। पुलिस ने वादी के पहचान करने पर गद्दोपुर के सुरेंद्र कुमार उर्फ कल्लू प्रजापति और अतुल द्विवेदी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अभी चार आरोपी पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं।

मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथ खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते

खेलो इंडिया योजना के तहत सांसद खेल स्पर्धा का आयोजन संपन्न

मेजा रोड। खेलो इंडिया योजना के तहत सांसद खेल स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस तरह का आयोजन ग्रामीण अंचल से आने वाले खिलाड़ियों के लिए एक वरदान साबित हो रहा है। मेजा का बहुगुणा कालेज खेल के लिए कभी वीरान पड़ा रहता था,लेकिन सांसद खेल महाकुंभ के आयोजन से गुरुवार को कमल की तरह खिल उठा है।हर तरफ खिलाड़ी ही खिलाड़ी नजर आ रहे थे जो अपने-अपने खेल में बिजी रहे और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने के लिए मेहनत कर रहे थे।गुरुवार को मेजा के लक्ष्मी नारायण इंटर कॉलेज मे सांसद खेल स्पर्धा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेखा सिंह व विशिष्ट अतिथि के ब्लॉक प्रमुख मेजा के प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्रा रहे। कार्यक्रम के संयोजक यमुनापार नमामि गंगे के सह संयोजक डॉ अमरेश तिवारी ने सफल संचालन किया।मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।कार्यक्रम को विडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से सांसद प्रयागराज डॉ रीता बहुगुणा जोशी ने संबोधित करते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि इस खेल के माध्यम से खिलाड़ियों को एक सुनहरा अवसर मिला है जो उन्हें राष्ट्र स्तर तक पहुंचाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस खेल आयोजन का राजनीति से कोई मतलब नहीं है। इसलिए खेल महाकुंभ को लेकर नौजवानों से लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देने को मिल रहा है। सांसद ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी।खेल प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया,जिसमे कबड्डी खेल प्रमुख रहा।गौरतलब है कि यह खेल भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा कराया जा रहा है। इस मौके पर पूर्व ब्लाक प्रमुख मुन्नन शुक्ला, किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष आशीष मिश्रा मुन्ना भइया, मंडल अध्यक्ष कामेश्वर पटेल,जयशंकर पांडेय,कालेज के प्रधानाचार्य विमल श्रीवास्तव रहे।

न्यूज झरोखा

किसान सेवा केंद्र पर खाद लेने गई महिला चोटहिल

सहसों। विगत शनिवार को इफको किसान सेवा केंद्र पर महिला किसान खाद लेने गई थी। भीड़ में दब जाने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गई चिकित्सीय परामर्श से पता चला कि उसके गले की नीचे की हड्डी टूट गई। वर्तमान समय में किसानों की आलू , गेहूं की बुवाई अपने चरम पर है। जिसके लिए किसान खाद लेने के लिए भोर से ही लाइन लगाकर डीएपी के लिए घंटो घंटो मेहनत कर रहे हैं। इसी क्रम में गत शनिवार को इफको किसान सेवा केंद्र पर सहसों क्षेत्र के कादीपुर गांव निवासिनी महिला किसान प्रेमा देवी पत्नी संतोष कुमार खाद लेने के लिए गई थी। अचानक गेट खुलने पर महिला गिर पड़ी। जिसके ऊपर से दर्जनों लोग गुजर गए। नतीजन महिला किसान को काफी चोट आ गई। इलाज कराने पर पता चला कि गले के नीचे की हड्डी टूट चुकी है। हैरान परेशान परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फूलपुर ले गए वहां से उचित इलाज के लिए बेली हॉस्पिटल चले गए। जहां पर महिला का इलाज चल रहा है। महिला को न तो खाद मिली और न ही फसल की बुवाई हो सकी। महिला किसान के पति ने संतोष कुमार ने बताया कि कुल 15 बिस्वा खेत स्वयं का है शेष बटाई पर लेकर किसी तरह अपना जीविकोपार्जन का रहे हैं। घायल महिला के पति संतोष ने बताया कि मन मे आया कि महिला को ले जाने पर खाद के लिए लाइन नहीं लगानी पड़ेगी और आसानी से मिल जाएगा। परंतु ठीक उसका उल्टा हुआ। खाद तो नहीं मिली लेकिन जीवन भर का दर्द मिल गया। सपा के पूर्व सांसद नागेंद्र सिंह पटेल गुरुवार को सहसों क्षेत्र के कादीपुर गांव में पहुंचकर घायल महिला प्रेमा देवी का हालचाल जाना तथा सहायता के लिए उपजिलाधिकारी फूलपुर सहित अन्य अधिकारियों से वार्ता भी की। इसके अतिरिक्त उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि फसल की बुवाई समय से नहीं हो पाएगी तो वह उसके लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

कैप्टन करन सिंह ने खखैचा गाँव में लगाई चौपाल

प्रतापपुर। रस्तीपुर गाँव निवासी एवं पूर्व प्रत्याशी अपनादल भाजपा गठबंधन प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र कैप्टन करन सिंह ने आगामी विधानसभा चुनाव हेतु अपने समर्थकों के साथ अपने पड़ोसी गाँव खखैचा में घर घर जनसंपर्क किया और प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के चहुमुंखी विकास हेतु लोगों का आशीर्वाद प्राप्त किया । साथ ही लोगों से यह आग्रह किया कि इस बार जाति पाति के बंधन को तोड़कर अपने पड़ोस के बेटे को आशीर्वाद दें । जिससे यह बेटा अपने विधानसभा का विकास कर सके और खखैचा गांव से मेरा बहुत ही लगाव है क्योंकि मेरा पूरा बचपन इन्ही लोगों के बीच बीता है आज जब एक बार मैं आप लोगों से मिला तो बचपन की यादें फिर से ताजा हो गई और खखैचा के देवतुल्य बड़े बुजुर्ग लोगों, भाइयों , माताओं, बहनों द्वारा मिले इस प्यार और आशिर्वाद का का हमेशा ऋणी रहूंगा।

विधायक ने पुल निर्माण का किया भूमि पूजन

कोरांव। विधायक कोरांव राजमानि कोल ने ग्राम खूंटा में आदिवासी बस्ती के निकट नाले पर पुलिया निर्माण का भूमि पूजन किया। पूजन कार्यक्रम में विधायक के साथ ब्लॉक प्रमुख मेजा के प्रतिनिधि गंगा मित्रा प्रधान खूंटा आदि ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में बहुत सारे इलाके के लोग मौजूद रहे।

पेंशन बहाली को लेकर राज्य कर्मचारी संघ 30 नवम्बर को घेरेंगे राजधानी

अखंड भारत संदेस

करछना। पुरानी पेंशन बहाली व 11 सूत्री मांगों पर विभाग एवं शासन द्वारा दो चरण के आंदोलन करने के बाद भी सरकार की चेतना ना होने के कारण कर्मचारी शिक्षक अधिकारी पेंशनर अधिकार मंच के सदस्य 30 नवंबर को घेरेंगे राजधानी लखनऊ बुधवार को कर्मचारी शिक्षक अधिकारी पेंशनर अधिकार मंच उत्तर प्रदेश के आवाहन पर दिनांक 30 नवंबर 2021 को तृतीय चरण के आंदोलन की तैयारी करने हेतु राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का प्रतिनिधिमंडल रागविराग त्रिपाठी वरिष्ठ उपाध्यक्ष के नेतृत्व में आज विभिन्न जनपद के विभागों में भ्रमण किया जिसमें प्रमुख रुप से जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय शिक्षा निदेशालय प्रयागराज विकास प्राधिकरण के बाद सतीश कुमार सिंह अध्यक्ष ग्राम पंचायत ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति संरक्षक सफाई कर्मचारी संघ जनपद प्रयागराज की अध्यक्षता में बैठक की गई बैठक में सफाई कर्मचारी संघ के मंडल अध्यक्ष एसपी यादव जनपद अध्यक्ष दयाशंकर यादव उनके कोषाध्यक्ष आनंद सोनकर आदि कार्यकारिणी के सदस्यों पदाधिकारियों ने सहभागिता किया जिसमें राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश जनपद प्रयागराज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री राग विराग त्रिपाठी जिला मंत्री विनोद कुमार पांडे राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जनपद प्रयागराज राजेंद्र त्रिपाठी प्रांतीय सचिव पशुधन प्रसार अधिकारी संघ के संयुक्त मंत्री शुभम त्रिपाठी एवं परिषद के मीडिया प्रभारी तथा महेंद्र पुष्पाकर प्रांतीय ऑडिटर उपस्थित रहे जिसमें उक्त आंदोलन में सदस्यों को प्रतिभाग करने हेतु विचार विमर्श किया गया जिसमें अऊझ के अध्यक्ष रामसेवक सिंह यादव और एडीए के डिप्लोमा इंजीनियर संघ के अध्यक्ष भावनाथ सिंह जी और उनके साथ सदस्यों ने नारा लगाते हुए 30 तारीख के आंदोलन कार्यक्रम में धरने में लखनऊ पहुंचने की सदस्यों से अपील की गई तथा सफाई कर्मचारी संघ जनपद के सभी पदाधिकारियों ने 30 नवंबर को लखनऊ पहुंचने के लिए अपने अपने विचार व्यक्त किए और निर्णय लिया गया कि प्रयागराज संगम नगरी से भारी संख्या में कर्मचारी प्रतिभाग करेंगे और सरकार को या तो स्वयं विधायकों को सांसदों को पेनशन नहीं लेना होगा या कर्मचारियों को पेंशन देना होगा ऐसा संकल्प किया गया अन्यथा सरकार को घेरने का कार्य करेंगे और सरकार इतने पर भी नहीं मानी तो प्रांतीय नेतृत्व के आवाहन पर आगे जो भी आंदोलन कार्यक्रम दिए जाएंगे उसमें राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के सभी घटक संघ और सहयोगी संगठन पूर्ण रूप से प्रतिभाग करेंगे। प्रमुख रूप से विचार व्यक्त करने वाले आलोक त्रिपाठी ग्राम विकास अधिकारी संघ रामदास यादव प्रदेश उपाध्यक्ष सफाई कर्मचारी संघ दयाशंकर यादव जिला अध्यक्ष अखिलेंद्र यादव कार्यवाहक अध्यक्ष कोषाध्यक्ष आनंद सोनकर जिला मंत्री तेज बहादुर भारती आदि उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर लखनऊ में बडी रैली पर बनाई रणनीति

कर्मचारी संघ नें जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा

अमृत महोत्सव उद्घाटन कार्यक्रम आज सरस्वती इंटर मीडिएट कॉलेज सरायममरेज में 11 बजे से

प्रतापपुर। अमृत महोत्सव आयोजन समिति प्रतापपुर द्वारा मातृभूमि की आजादी के 75 वें वर्षगांठ पर आज 11 बजे सरस्वती इंटर मीडिएट कॉलेज सरायममरेज से शुभारंभ करते हुए एक माह तक गांव- गांव में भारत माता का पूजन, तिरंगा यात्रा, वंदे मातरम् गान आदि का कार्यक्रम किया जाना निश्चित हुआ है।अमृत महोत्सव आयोजन समिति प्रतापपुर ने लोगों से आग्रह किया है कि इस पुनीत कार्यक्रम में अपना सहयोग प्रदान करें तथा निम्नलिखित कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाकर अपने पूर्वजों के अमर बलिदान के इतिहास को जानें, जिन्होंने अपने आपको मां भारती के चरणों में अर्पित कर देश की सेवा की।यह जानकारी भाजपा जंघई मंडल अध्यक्ष संदीप तोगड़िया एवं भाजपा नेता राजा मौर्या ने दिया है।

करछना के धरवाला गांव में चल रही भागवत कथा कहते आचार्य गोपाल कृष्ण

पानी परात को हाथ छुयो नहि,नैनन के जल सों पग धोये : आचार्य गोपाल जी

भागवत कथा के अंतिम दिन जुटी भक्तों की भीड़,मंच पर सम्मानित हुए बुजुर्ग

करछना। क्षेत्र के धरवारा गांव में चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत ज्ञान कथा के अंतिम सातवे दिन गुरुवार को व्यास पीठ पर विराजमान कथा वाचक आचार्य गोपालकृष्ण जी महाराज ने सुदामा चरित्र और कृष्ण सुदामा प्रेम की मार्मिक कथा सुनाते हुए सभी को आह्लादित कर दिया।इस दौरान पानी परात को हाथ छुयो नहि,नैनन के जल सों पग धोये जैसे पद प्रस्तुत करते हुए उन्होंने सुदामा की अगाध भक्ति और निश्कपट प्रेम की झांकी के माध्यम से श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। इसके बाद भगवान का सधाम गमन,सुकदेव जी की विदाई और परीक्षित मोक्ष की मार्मिक कथा सुनाकर सभी को भाव विभोर कर दिया। कथा व्यास ने कहा कि कथा श्रवण करने का कई प्रत्यक्ष और परोक्ष लाभ है । जो मानव जीवन में हर प्रकार से हितकारी है।इसके उपरांत कथा के संयोजक जीएस एकेड़मी के अध्यक्ष रावेन्द्र प्रताप सिंह और प्रबंधक विनय कुमार सिंह बिन्नू ने क्षेत्रीय गणमान्य बुजुर्गो को मंच पर सम्मानित किया।कथा श्रवण के पहुंचे पूर्व ब्लाक प्रमुख विजयराज सिंह ने भागवत और कथा व्यास का माल?ार्पण स्वागत किया।मुख्य यजमान ज्ञानमती सिंह और संत बहादुर सिंह ने गोपाल जी महाराज समेत अनवरत कथा श्रवण को पंड़ाल में आने वाले श्रद्धालुभक्तजनों के प्रति स्वागत आभार प्रकट करते हुए कृतज्ञता ज्ञापित किया।भागवत और कथा व्यास की आरती के बाद भगवान के जयकारों के उद्धघोष से पंड़ाल गूंज उठा । इस मौके पर पूर्व ब्लाक प्रमुख करछना विजय राज सिंह राजू पूर्व जिला पंचायत सदस्य रवीश चंद्र तिवारी देवी तिवारी राजकुमार द्विवेदी प्रधान पप्पन शिव प्रसाद पटेल अभय राज सिंह काशी पटेल पप्पू सिंह डेयरी मनोज मास्टर गोविंद पटेल संगम लाल पटेल इंद्रेश सिंह दुर्गा प्रसाद मिश्रा संतोष शुक्ला प्रभु हरिजन प्रधान धरवारा बाबूलाल निषाद रमेश चंद्र मिश्रा मोनू पांडेय अक्षयवर सिंह गुलाब पांडेय जनार्दन सिंह वीरू सिंह पुष्पेंद्र सिंह दिनेश सिंह डब्बू सिंह प्यारे लाल सिंह देवराज सिंह पिंटू सिंह लल्लन तिवारी ललन सिंह आशीष सिंह धर्मेंद्र सिंह धीरज सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

भागवत कथा श्रवण मात्र से मोक्ष की प्राप्ति : विनीत कृष्ण

सहसों। श्रीमद् भागवत पुराण कथा सुनने मात्र से ही मनुष्य का जीवन धन्य और इस योनि से मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है। क्षेत्र के थानापुर गांव में वीरेन्द्र प्रताप सिंह व सीता सिंह के संयोजन में चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन कथा व्यास आचार्य विनीत कृष्ण द्विवेदी द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा श्रवण मात्र से ही जीव की मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। श्रीमद् भागवत कथा सुख समृद्धि एवं सांसारिक कष्टों से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा सभी सनातनी को श्रीमद् भागवत कथा का रसपान समय निकालकर जरूर करना चाहिए। कथा व्यास ने राजा परीक्षित की कथा का रसपान कराते हुए कहा राजा परीक्षित को मोक्ष की प्राप्ति हुई। कथा व्यास ने कहा भगवत प्राप्ति के लिए उत्तम गुरु का होना आवश्यक है। बिना गुरु के सदमार्ग संभव नहीं है। कथा के विश्राम पर मुख्य यजमान वीरेन्द्र प्रताप सिंह एवं गीता सिंह ने व्यासपीठ एवं आवाहित देवताओं की आरती उतारी तत्पश्चात प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर अखंड प्रताप सिंह, अनुज प्रताप सिंह, विजय प्रताप सिंह, धीरेंद्र प्रताप, दिनेश कुमार, महेश सिंह, शिव मिलन सहित भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गंगा में मछली मारने गए आठवीं के छात्र की डूबने से हुई मौत

प्रयागराज। ममफोर्डगंज स्थित घर से मंगलवार शाम गंगा में मछलियां पकड़ने निकले आठवीं के छात्र सौरभ की फाफामऊ पुल के पास डूबने से मौत हो गई। परिजन रात भर उसकी तलाश में भटकते रहे। बुधवार को उसकी लाश मिली। इससे परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पाकर पुलिस भी पहुंच गई। न्यू मम्फोर्डगंज में रहने वाले लालजी भारती मोटर मैकेनिक हैं। उनका बेटा सौरभ (16) भारत स्काउट गाइड स्कूल में आठवीं कक्षा का छात्र था। मंगलवार शाम सौरभ घर से यह कहकर निकला कि वह फाफामऊ पुल के पास गंगा में मछलियां पकड़ने जा रहा है। वह रात तक घर नहीं लौटा तो परिवार के लोग उसकी तलाश में निकले। मगर उसका कहीं भी कुछ पता नहीं चल सका। बुधवार सुबह फिर खोजबीन शुरू की गई। इसी बीच पुल के पास गंगा में सौरभ का शव उतराता दिखा तो वहां भीड़ लग गई। शव देख परिवार के लोग रोने-कलपने लगे। मां शीला देवी तो बेहोश हो गई।

परिवार को बचाए रखने के लिए धैर्य संयम की नितांत आवश्यकता रहती है : देवी ऋचा मिश्रा

धनूपुर। क्षेत्र के गजापुर गिर्दकोट पंडितान गाँव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथा वाचिका देवी ऋचा मिश्रा ने कथा में सती चरित्र प्रसंग, नरसिंह अवतार, बावन अवतार की कथा सुनाई। भक्त ध्रुव चरित्र, भरत के तीन जन्म की कथा जिसमें भक्त अजामिल पर की गई कृपा, वृत्रासु, नृसिंह भगवान अवतार, भक्त ध्रुव और प्रहलाद की कथा के वृतांत सुनाते हुए कहा कि भक्त पर संकट आने पर भगवान भक्त की रक्षा करने के लिए दौड़े चले आते हैं। भक्त के प्रति भगवान का स्नेह अपार होता है, और भक्त पर ईश्वर की कृपा सदैव बनी रहती है। जब भक्त प्रहलाद पर पिता हिरण्यकश्यप द्वारा प्रताड़ित किया गया तो आखिर में भक्त की रक्षा के लिए भगवान ने खंभे से नरसिंह भगवान का अवतार लिया और धरती पर हिरण्यकश्यप के बढ़ते पाप, अत्याचार को मिटाने के लिए हिरण्यकश्यप का वध किया। कथा के बीच बीच भजनों की प्रस्तुति पर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए और भावविभोर होकर नाचने लगे कथा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष कथा श्रवण करने पहुंचे थे।कथा के दौरान कथा वाचिका सती चरित्र के प्रसंग को सुनाते हुए भगवान शिव की बात को नहीं मानने पर सती के पिता के घर जाने से अपमानित होने के कारण स्वयं को अग्नि में स्वाह होना पड़ा। कथा में उत्तानपाद के वंश में ध्रुव चरित्र की कथा को सुनाते हुए समझाया कि ध्रुव की सौतेली मां सुरुचि के द्वारा अपमानित होने पर भी उसकी मां सुनीति ने धैर्य नहीं खोया जिससे एक बहुत बड़ा संकट टल गया परिवार को बचाए रखने के लिए धैर्य संयम की नितांत आवश्यकता रहती है। इस अवसर पर आयोजक एवं यजमान लालबहादुर शुक्ला, विमला शुक्ला, कैलाश नाथ शुक्ला, सूर्यमणि शुक्ला, संजय शुक्ला, संतोष शुक्ला, विनोद शुक्ला, सुशील शुक्ला,आचार्य धरणीधर शुक्ल पंडित मनमोहन पांडेय, पंडित दुर्गेश तिवारी, आचार्य सत्यम दुबे, पंडित शशिकांत पांडेय आदि श्रोतागण मौजूद रहे।

विधान सभा चुनाव व संविधान यात्रा की तैयारियों को लेकर बनी रणनीति

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। भाजपा पिछड़ा मोर्चा यमुनापार के जिला अध्यक्ष सुभाष सिंह पटेल ने विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए मंडलीय पदाधिकारियों को भी सक्रियता बढ़ाने की हिदायत दी है। और जिला पदाधिकारियो व मंडल तथा विधान सभा प्रभारी को सक्रियता भूमिका में रहने का निर्देश दिया है।कहा है कि मंडल पदाधिकारी घर-घर जाएं और बूथ की मजबूती के लिए अभी से प्रयास शुरू कर दें। गुरूवार के दिन करमा में मोर्चा के पदाधिकारियो के साथ बैठक कर विधान सभा चुनाव की तैयारी को लेकर रणनीति बनाई। और सख्त निर्देश दिया कि सभी अपने अपने उत्तरदायित्व को बखूबी ईमानदारी से निर्वहन करना शुरू कर दे। लापरवाही किसी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भाजपा सदस्यता अभियान के दिए लक्ष्य को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला अध्यक्ष सुभाष सिंह पटेल ने स्पष्ट तौर पर निर्देशित किया कि नए मतदाताओं को जोड़ें। सूची में यदि किसी तरह की गड़बड़ी हो तो उसे भी दुरुस्त कराएं। और हर बूथ को मजबूत बनाएं। और 26 नवम्बर को संविधान यात्रा को सफल बनाने के लिए विचार विमर्श कर कई निर्देश दिए गए।इस दौरान ज़िला उपाध्यक्ष धर्मराज पाल, सुरेंद्र सिंह, सूर्य प्रताप सिंह,महामंत्री डॉ सूर्या यादव, मंत्री संजय पाल, अनुपम सिंह, जिला मिडिया प्रभारी राम कुमार शर्मा, शोध प्रमुख इंजी मयंक कुमार गुप्ता, जिला सोशल मीडिया प्रभारी शिवम सिंह, मंडल अध्यक्ष रत्नाकर सिंह पटेल, अंतर सिंह कुशवाहा आदि दर्जनों पदाधिकारी मौजूद रहे।

रणनीति बनाने के बाद बंदे मातरम की नारे बुलंद करते भाजपाई

भू-अतिचारी के बजाय शिकायत कर्ता को भी शांति भंग में किया पाबंद

अखंड भारत संदेश

कोराव। कोराव पुलिस के कारनामे से पता चल रहा कि भू माफियाओं और राजस्व विभाग से संबंधित भूमि प्रबंधक समिति चेयर मैन / ग्राम प्रधान के किस तरह से संबंध होते हैं। कार्यवाही के बजाय शिकायत कर्ता ग्राम प्रधान को भी भू अतिचारी की श्रेणी में समान समझ समान कार्यवाही की,जिससे भू अतिचारी का सम्मान बना रहे।

बता दें कि ग्राम पंचायत अल्हवा के निर्वाचित ग्राम प्रधान/चैयर मैन भूमि प्रबंधक समिति अल्हवा कोरांव तहसील प्रयागराज ने ग्राम समाज और सरकारी जमीनों को अवैध कब्जे से मुक्त कराने का सरकार की मंशानुसार अभियान छेड़ा है। जिसमे राजस्व लेखपाल सचिव भूमि प्रबंधक समिति अल्हवा अतुल तिवारी ने समिति की सर्व सम्मति से लिए गए निर्णय,कार्यवाही प्रस्तावानुसार भू माफियाओं के खिलाफ सीमांकन पैमाइस की कार्यवाही कर के भूमि खाली कराने की चेतावनियां दी गई और विकास कार्य में बाधा न हो इस निमित्त विकास के कार्य शुरू किए गए। किंतु ग्राम के कुछ सरहांग भूमि अतिचारियों ने जबरन सरकारी जमीनों पर कब्जा कर फसल उगा लिए। तहसील प्रशासन ने भी ग्राम सभा हित में राजस्व और पुलिस टीम गठित कर सरहंग कोटेदार अल्हवा पर कार्यवाही की। इसके बावजूद कोटेदार ने जबरन फसल सरकारी जमीन पर रोक के बावजूद 18 नवंबर को काट कर उठा ले गया। जबकि इलाकाई पुलिस ने भी भू अतिचारी कोटेदार को मना किया था। ग्राम प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबंधक समिति ने थाना प्रभारी कोरांव को आई जी आर एस के द्वारा दो तीन बार कार्यवाही तथा प्रथिमिकी दर्ज किए जाने की मांग की,किंतु केस दर्ज के बजाय कोरांव पुलिस ने भू अतिचारी जबरन फसल काटने वाले के खिलाफ कार्यवाही केस दर्ज किए जाने के बजाय शिकायत कर्ता भूमि प्रबंधक समिति चेयरमैन/ग्राम प्रधान और भू अतिचारी कोटेदार को सिर्फ शांति भंग के तहत धारा107/116 की कार्यवाही कर अपनी फर्ज अदायगी कर ली। जो नियम विरुद्ध है। इस संबंध में ग्राम प्रधान संघ को भी अवगत किया जा रहा है,और राजस्व परिषद के अध्यक्ष से ले कर प्रमुख सचिव राजस्व उत्तर परदेस शासन लखनऊ को पत्र लिखा है। और कोरांव पुलिस की उक्त मनमानी कार्यवाही तथा भू अतिचारी का पक्ष लेने की निंदा की जा रही है। साथ ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज से शिकायत की जा रही है। ग्राम प्रधान ने बताया की यह मामला हाईकोर्ट में ले जाऊंगा। क्योंकि भूमि प्रबंधक समिति का अपमान है। साथ ही राजस्व अधिकारियों को लिखित शिकायत के बावजूद कोई कार्यवाही न किया जाना भी चर्चा का विषय है।

पुलिस का कमाल

ग्राम प्रधान/चेयरमैन भूमि प्रबंधक समिति और भू अतिचारी के विरुद्ध समान कार्यवाही, ग्राम प्रधान ने की राजस्व परिषद अध्यक्ष लखनऊ से शिकायत,

ग्राम प्रधान संघ भी नाराज,पुलिस के खिलाफ होगी लामबंदी

सरकारी जमीन अल्हवा में सारंग भू अतिचारी कोटेदार अल्हवा द्वारा जबरन रोक के बावजूद काट ली गई फसल

खबर संक्षेप

इंदिरा मैराथन आज, 500 से ज्यादा धावक लेंगे हिस्सा, सेना के जवानों पर टिकीं निगाहें

प्रयागराज। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जन्मदिवस पर शहर में 36वीं अखिल भारतीय प्राइजमनी इंदिरा मैराथन का आयोजन शुक्रवार को आंनद भवन से सुबह साढ़े छह बजे खेल मंत्री उपेंद्र तिवारी एथलीटों को हरी झंडी दिखाकर मैराथन का शुभारंभ करेंगे। इंदिरा मैराथन में देश के अलग-अलग हिस्सों से भाग लेने के लिए एथलीटों का प्रयागराज में आगमन हो चुका हैं। 42.195 किलोमीटर की मैराथन में करीब पांच सौ से अधिक धावक-धाविकाएं सहभागिता करेंगे।

इस बार के मैराथन में सेना के धावकों पर लोगों की निगाहें टिकी रहेंगी। बृहस्पतिवार शाम तक सेना के 15 धावकों ने नामांकन फार्म प्राप्त किया है। वहीं पुरुष वर्ग में शाम तक चार सौ की संख्या पार नामंकन कराएं जा चुके थे जबकि महिला वर्ग में 40 की संख्या केपार नामंकन हो चुके थे 'मैराथन में कुछ धावक-धाविकाएं के नाम ऐसे भी हैं, जिन्होंने छह-छह बार इंदिरा मैराथन में अपने नाम का डंका बजाया है। पुरुष वर्ग में भैरो सिंह लोन और महिला वर्ग में ज्योति शंकर गतवे शामिल हैं। वहीं ओलंपिक क्वालीफायर वाराणसी केराहुल पाल और आर्मी पुणे के राहुल मैराथन में पूर्व चैंपियन को चुनौती पेश कर सकते हैं।

पचासों ट्रैक्टर के साथ सिविल लाइन पत्थर गिरजा घर के पास धरना देते भारतीय किसान यूनियन

किसानों ने पचासों ट्रैक्टर के साथ रैली निकालकर सरकार को चेताया

16 सूत्री मांगों को लेकर पहुंचे थे धरना स्थल पर किसान

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। धान खरीद तथा कृषि संबंधी अन्य समस्याओं का समाधान नहीं होने से नाराज किसानों ने गुरुवार को एकजुटता दिखाई। 16 सूत्रीय मांग को लेकर उन्होंने 50 से अधिक ट्रैक्टरों के साथ सिविल लाइंस स्थित पत्थर गिरजा घर के पास धरना दिया। सभी मांगों पर सकारात्मक वार्ता के बाद किसानों ने देर शाम को धरना समाप्त किया।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के बैनर तले जुटे किसानों का कहना था कि ज्यादातर धान क्रय केंद्र बंद हैं। जहां खुले हैं वहां कम कीमत पर धान की खरीद की जा रही है। उन्होंने सिंचाई, बिजली कटौती, अधिक बिजली बिल, अधिग्रहीत जमीन का मुआवजा नहीं दिए जाने समेत अनेक मुद्दों को लेकर धरना दिया। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत बड़ी संख्या में किसान झलवा स्थित यूनियन कार्यालय पर जुटे। वे ट्रैक्टर लेकर पहुंचे थे। वहां से ट्रैक्टर रैली निकालते हुए वे धरना स्थल पर पहुंचे।

लंबे आंदोलन की थी तैयारी

किसान लंबे आंदोलन की तैयारी में आए थे। इसे ध्यान में रखते हुए बिस्तर, खाना बनाने के लिए बर्तन आदि के इंतजाम किए गए थे।

अलग-अलग गुट में पहुंचे किसान

झलवा के अलावा अन्य स्थानों से भी किसान धरना स्थल पर पहुंचे थे। सोरांव के किसान ढोल-नगाड़े के साथ पहुंचे थे। आंदोलन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल रहीं।

पहले से ही प्रस्तावित थी रैली

धरना स्थल पर पहले से ही सैकड़ों किसान मौजूद थे। किसानों के जमावड़े को देखकर प्रशासन भी सकते में रहा। आंदोलन की पहले से घोषणा थी। इसलिए धरना स्थल पर फोर्स तैनात रही। रास्ते में भी जगह-जगह भी फोर्स तैनात रही। अलग-अलग स्तर पर किसानों की अफसरों संग कई चरणों की वार्ता हुई। एडीएम सिटी मदन कुमार की अगुवाई में शाम को फिर वार्ता हुई। इस दौरान नगर निगम, प्रयागराज विकास प्राधिकरण, बिजली, सिंचाई समेत किसानों की मांगों से संबंधित अन्य विभाग के अफसर भी मौजूद रहे। अफसरों ने किसानों की 15 मांगें मान लीं। सिर्फ धान खरीद को लेकर गतिरोध बना रहा। किसान सभी क्रय केंद्र खोलने तथा उचित मूल्य दिए जाने की मांग कर रहे थे। अफसरों ने आश्वासन दिया कि एक सप्ताह में स्थिति सामान्य हो जाएगी। इसके बाद करीब साढ़े सात बजे उन्होंने धरना समाप्त करने की घोषणा की। हालांकि, किसान अनिश्चितकालीन धरना की तैयारी में आए थे। ऐसे में शाम होते हुए खाना बनाने लगा था। इसकी वजह से किसान देर रात तक डटे हुए थे। वार्ता में किसानों की तरफ से मंडल अध्यक्ष सालिगराम यादव, जिलाध्यक्ष अनुज कुमार सिंह, संजय यादव, अजीत पांडेय आदि शामिल रहे।

पर्यावरण संरक्षण व गंगा स्वच्छता संगोष्ठी कार्यक्रम हुआ आयोजित

32 वां राष्ट्रीय रामायण मेला

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गुरुवार को 32वा राष्ट्रीय रामायण मेला श्रृंगवेरपुर में कृषि एवं ग्रामीण विकास तथा पर्यावरण संरक्षण संगोष्ठी कार्यक्रम रखा गया ' सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन द्वारा की गई जिसमें मुख्य अतिथि बायोवेद रिसर्च इंस्टिट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर & टेक्नोलॉजी के अध्यक्ष प्रोफेसर जे पी श्रीवास्तव ,उपाध्यक्ष प्रो एस एस त्रिपाठी रहे। कार्यक्रम में डॉ .बाल कृष्ण पाण्डेय ,निदेशक बायोवेद रिसर्च इंस्टिट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी एवं रामायण मेला, पं .उमेश चन्द्र द्विवेदी, महासचिवरामायण मेला आयोजन समिति, मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष बाल कृष्ण पाण्डेय,अमित द्विवेदी , नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज से जिला परियोजना अधिकारी एषा सिंह, शिवा शंकर पांडेय , वरिष्ठ लेखक व समाजसेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका गंगा स्वच्छता गोष्टी पर सभी गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार साझा किए। निदेशक बीके द्विवेदी ने बताया कृषि क्षेत्र की समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए कृषि के प्रति ग्रामीण युवाओं की रुचि और योगदान को बढ़ाने की जरूरत है ' मुख्य अतिथि प्रोफेसर जे पी श्रीवास्तव ने बताया कि ग्लोबल वार्मिंग में कमी के लिए मुख्य रुप से सीएफसी गैसों का ऊत्सर्जन कम रोकना होगा और इसके ऐसी मशीनों का उपयोग करना होगा जिनसे सीएफसी गैसें कम निकलती हैं' कार्यक्रम में जिला परियोजना अधिकारी एषा सिंह ने युवाओं को पर्यावरण व गंगा संरक्षण हेतु अपनी जीवनशैली में बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया । डीपीओ को उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया। मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष बाल कृष्ण पाण्डेय ने सभी आगन्तुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज द्वारा पांच दिवसीय प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिसमें नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवक व गंगा दूतों द्वारा प्रदर्शनी में नमामि गंगे के बैनर पोस्टर फ्लेक्स के माध्यम से ग्रामीण वासियों को जागरुक किया जा रहा है ।कार्यक्रम में स्वयंसेवक दारा, नीरज, सूरज प्रतीक ,पावन, कमल, विवेक प्रमिला, कुलदीप, आरती सक्रिय भूमिका में रहे।

दीप प्रज्वलित करते बायोवेद रिसर्च इंस्टिट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी के अध्यक्ष प्रोफेसर जे पी श्रीवास्तव व उपाध्यक्ष प्रो एस एस त्रिपाठी

देव दीपावली पर्व के दृष्टिगत संगम क्षेत्र का डीएम ने किया निरीक्षण

5 लाख दीपों से जगमग होगा संगम क्षेत्र

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने देव दीपावली पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत संगम क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा, यातायात तथा पार्किंग स्थल की व्यवस्था जायजा लिया। 20 ब्लाकों में संगम क्षेत्र को बाटा गया है, जहां पर दीप प्रज्जवलित किया जाना है। वहां पर उन्होंने बनाये जाने वाले स्टेज एवं बैठने की व्यवस्था आदि का भी निरीक्षण किया। इस बार 5 लाख दीपों से संगम क्षेत्र को सजाया जायेगा, जिसका जनपद वासी इस अद्भूत दृश्य का लुफ्त उठा सकेंगे। इस पूरे कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए एडीएम प्रशासन हर्ष देव पाण्डेय को इसका नोडल बनाया गया है। कार्तिक पूर्णिमा के स्नान के लिए पांच मजिस्टेटों की ड्यूटी लगायी गयी है। यातायात तथा सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किये गये है। गहरे पानी में कोई न जाने पाये, इसके लिए बैरिकेटिंग के अलावा जेटी की भी व्यवस्था की गयी है। इस कार्यक्रम के लिए जिला प्रशासन के साथ-साथ जनपद के सम्मानित लोगो को भी कार्यक्रम में सम्मिलित किया गया है। सेक्टर वाइज विभागों एवं अन्य लोगो को बांटा जायेगा। इस अवसर पर ए0डी0एम0 प्रशासन हर्ष देव पाण्डेय, एस0डी0एम0 मेला संतराम श्रीवास्तव सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

खड़े ट्रक से भिड़ी कार, मां-बेटा घायल

प्रयागराज। थरवई थाना क्षेत्र के डेरागदाई गांव के सामने गुरुवार सुबह एनएच-2 पर खड़े ट्रक से कार भिड़ गई। हादसे में कार सवार मां-बेटा घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। मिजार्पुर के फहद अपनी मां शाकरा शमीम के साथ कार से लखनऊ जा रहे थे। डेरागदाई के सामने एनएच-2 पर खड़े ट्रक में पीछे से कार भिड़ गई। इसमें मां-बेटे घायल हो गए। महिला के सिर में गंभीर चोट लगी है। घटना की जानकारी पाकर परिजन भी आ गए।

कार्यालय ग्राम पंचायत पनासा करछना प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

मनरेगा/चतुर्थ राज्य वित्त/14वां/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत ग्राम पंचायत पनासा विकास खण्ड करछना में अद्योलिखित कार्यो के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 15–11–2021 से दिनांक 25–11–2021 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत पनासा में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 25–11–2021 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जायेगा। टेन्डर/कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 25–11–2021 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्त्र प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	पुष्प देव स्मारक स्थलीय मनरेगा पार्क निर्माण कार्य	14.65 लाख	15 दिन
2.	स्मृतवन में घेरा बन्दी कार्य	3.14 लाख	15 दिन

पत्रांकः मेमो/ग्राम पंचायत विकास अधिकारी/
टेण्डर/कोटेशन/2020-21/ दिनांक

महेश कुमार
ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत पनासा
वि0 ख0 करछना प्रयागराज।

पुलिस भर्ती में चयनित को 23 साल बाद नियुक्ति देने का निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1998 की पुलिस भर्ती में चयनित मुरादाबाद के कृष्ण कुमार को 23 साल बाद सेवा में बहाल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि यदि याची फिट न पाया जाए तो उससे कार्यालय में तैनात किया जाए।

एसपी कार्मिक, इंचार्ज डीआईजी स्थापना ने सत्यापन हलफनामे में तथ्य छिपाने के कारण याची को नियुक्ति देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट के पुनर्विचार करने के आदेश के बाद भी नियुक्ति नहीं दी गई तो कोर्ट ने कहा भर्ती के 23 साल बाद विभाग को विचार करने का आदेश देना उचित नहीं है इसलिए याची को बहाल किया जाए लेकिन वह बकाया वेतन का हकदार नहीं होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव ने कृष्ण कुमार की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। याचिका पर अधिवक्ता राजेश यादव ने बहस की। याची 1998 की पुलिस भर्ती में चयनित किया गया। उसके खिलाफ 1991 में आपराधिक केस दर्ज हुआ था, जिसमें वह 1999 में बरी हो चुका है। इस केस की जानकारी छिपाने के कारण उसे नियुक्ति देने से इनकार कर दिया गया। इसे याचिका में चुनौती दी तो कोर्ट ने आदेश रद्द कर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया।गलत जानकारी देने पर धोखाधड़ी का केस दर्ज हुआ, जिसके आधार पर नियुक्ति नहीं दी गई। चार अगस्त 2017 के इस आदेश को चुनौती दी गई। कोर्ट ने कहा कि जब हाईकोर्ट ने जानकारी छिपाने पर नियुक्ति से इनकार के आदेश को रद्द कर पुनर्विचार का निर्देश दिया तो उसी आधार पर दोबारा नियुक्ति देने से इनकार करना सही नहीं है। याची आपराधिक केस में बरी हो चुका है तो धोखाधड़ी के केस का कोई मायने नहीं है। कोर्ट ने कहा कि 23 साल बाद विभाग को भेजने के बजाय निर्देश देना उचित रहेगा और याची को कांस्टेबल पद पर सिविल पुलिस या कार्यालय में तैनात करने का निर्देश दिया।

बबीता के लिए फरिश्ता बन कर आये तीन सामाजिक कार्यकर्ता

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मंफोर्डगंज की बबीता पत्नी रमेश गर्भवती थी ,दो बच्चे पहले से थे भीख मांग कर गुजर-बसर करती थी ,पति रमेश कुछ नहीं करता था, शराब पीकर मारपीट करता था ,एक दिन सामाजिक कार्यकर्ता टोनी शर्मा से मंफोर्डगंज में बबीता मिली,पैर पकड़ कर बोली उसको अस्पताल में एडमिट करवा कर उसका इलाज करवा दें ,टोनी शर्मा ने तरस खाकर सामाजिक कार्यकर्ता निशा मिश्रा कर्नल गंज और मोहम्मद गुफरान सामाजिक कार्यकर्ता रौशन बाग से संपर्क साधा,तीनों सामाजिक कार्यकर्ता ने मिलकर डफरिन अस्पताल में सारी जांच करने के बाद बबीता को 18 अक्टूबर को एडमिट करा दिया उसके बाद से सुबह शाम खाने पीने का इंतजाम में तीनो सामाजिक कार्यकर्ता जुटे रहे ।कुछ दिन बाद डफरिन अस्पताल ने बबीता को एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया, जहां पर इन तीनों सामाजिक कार्यकर्ता और उसके नकारा पती रमेश ने बबीता को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कर दिया,बबीता और दोनों बच्चे गौरव व धीरज के सेवा में तीनो लगे रहे ,खाना-पीना दवा सारे इंतजाम में रात दिन जुटे रहे, बबिता को ब्लड कि जरुरत पडी तो निशा मिश्रा ने ब्लड का इंतेजाम कराया ,ऑपरेशन से रात लगभग बबिता को लड़का हुआ मां बेटे दोनो स्वस्थ,,बबिता और उसके बच्चो के लिये सोशल मीडिया पर तीनो सामाजिक कार्यकर्ता ने अपील किया तो कुछ लोगो ने सहायता किया जिससे ये लोग बबीता और उसके बच्चो के लिये नाशता खाना,दवा,गर्म कपड़े,कमबल,फल बैग आदि इफराद कर दिये,बबिता का पति नशे के हलत में हंगामा करता था एक बार तो लेबर वार्ड में पुलिस को भी बुलाया गया था पुलिस ने बबिता के पति को लेबर वार्ड से बाहर निकाल दिया था, हम लोगो को उलटा सीधा भी बोलता था बबिता का पति पर हर कुछ बबिता और उसके बच्चो के भविष्य के लिये बर्दाश्त किया गया।

मदर टेरेसा फाउंडेशन प्रयागराज ने लाचार गर्भवती महिला का कराया उपचार

अस्पताल में ईलाजरत महिला और समाज सेवी

उज्ज्वला योजना : लाभार्थियों को मुफ्त में दिया गया एलपीजी कनेक्शन

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। विकास खंड मेजा के रामनगर में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों को मुफ्त में एलपीजी कनेक्शन वितरित किया गया। गौरतलब हो कि गुरुवार को रामनगर में शीतला इंडेन ग्रामीण वितरक एलपीजी गैस सर्विस की तरफ से पंचायत सुरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में विधायक मेजा नीलम करवरिया उपस्थित रही। विधायक की मौजूदगी में मां शीतला इंडियन ग्रामीण वितरक की प्रोपराइटर सुनीता देवी के द्वारा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 300 लाभार्थियों को एलपीजी गैस कनेक्शन मुफ्त में वितरित किया गया। अपने संबोधन में मेजा विधायक नीलम करवरिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं की तारीफ करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा चलाई गई उज्जवला योजना के माध्यम से कई लाखों लोगों को योजना का लाभ मिला है साथ ही रसोई में गैस घरेलू सामग्री बनाने पर समय प्रदूषण और खर्चा दोनों की बचत होती है। आगे कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से देश में धुआं मुक्त रसोई का सपना साकार हो रहा है। इस अवसर पर अनुज शेखर,योगेंद्र पांडे,राहुल द्विवेदी, पुष्कर तिवारी,पप्पू जेरा, विधायक प्रतिनिधि शैलेश पांडे, धीरज दुबे, मनोज कुमार कमल चंद्र, श्यामधर, पन्नालाल, निजी सचिव जितेंद्र शुक्ला के साथ सहित सैकड़ों लाभार्थी व समाजसेवी उपस्थित रहे।

विधायक नीलम करवरिया ने लाभार्थी को गैस चूल्हा देते हुए

जंघई बाजार में जाम लगने के कारण नागरिकों में आक्रोश

जंघई। जंघई हंडिया मुख्य मार्ग पर लगने वाले जाम से आवागमन करने वालों के अलावा मुख्य बाजार में दुकानें संचालित करने वाले दुकानदारों की दुकानदारी भी प्रभावित हो रही है। जंघई बाईपास, स्टेट बैंक एवं बैंक आफ बड़ौदा, जंघई कालोनी आदि स्थानों पर सड़क पर अतिक्रमण के कारण, वाहनों को सड़क पर खड़ा करने के कारण रोज जाम लगता है।आम नागरिकों एवं बाजार में खरीददारी करने वाले ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।जंघई बाजार में पार्किंग न होने के कारण लोग सड़क पर बाइक चार पहिया वाहन खड़ा करके बाजार में खरीददारी करने चले जाते हैं। मुख्य बाजार काफी व्यस्त होने के साथ ही बेहद सकरा है जिससे छोटे-छोटे वाहन ही इस रास्ते से बड़ी मुश्किल में निकल पाते हैं। ऐसे में यदि कोई बड़ा वाहन इस रास्ते से निकल जाए तो जाम लगना तय होता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि दोपहर बाद जाम की परेशानी और बढ़ जाती है दरअसल स्थानीय ग्रामीण बाजार खरीददारी करने आते हैं एवं बसों, ट्रकों के अलावा ऑटो, मैजिक वाहन, स्कूल वाहन बड़ी संख्या में बाजार में प्रवेश करते हैं। जो ज्यादातर मुख्य बाजार से निकलते हैं इस कारण मुख्य बाजार में जाम के हालात पैदा हो जाते हैं।पैदल चलने वाले, दो पहिया वाहन एवं साइकिल सवार कई बार गिर कर चुटहिल हो जाते हैं जाम लगने के कारण लोगों को परेशानी होती है।

कार्यालय ग्राम पंचायत महेवा करछना प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

मनरेगा/चतुर्थ राज्य वित्त/14वां/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत ग्राम पंचायत महेवा विकास खण्ड करछना में अद्योलिखित कार्यो के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 15–11–2021 से दिनांक 25–11–2021 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत महेवा में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 25–11–2021 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जायेगा। टेन्डर/कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 25–11–2021 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्त्र प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	नहर से प्यारे लाल के घर तक मिट्टी खडंजा कार्य	1.998 लाख	15 दिन
2.	राजेन्द्र प्रसाद के घर से ट्रांसफार्मर तक इण्टरलाकिंग एवं नाली कार्य	2.00 लाख	15 दिन
2.	लालमणि के घर से रंगरेस के घर तक भूमिगत नाली	1.50 लाख	15 दिन

पत्रांकः मेमो/ग्राम पंचायत विकास अधिकारी/
टेण्डर/कोटेशन/2020-21/ दिनांक

अमित कुमार
ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत महेवा
वि0 ख0 करछना प्रयागराज।

महंगाई को लेकर कांग्रेस की प्रतिज्ञा पदयात्रा में पहुंचे प्रमोद तिवारी बढ़ाया हौसला

अखंड भारत संदेश

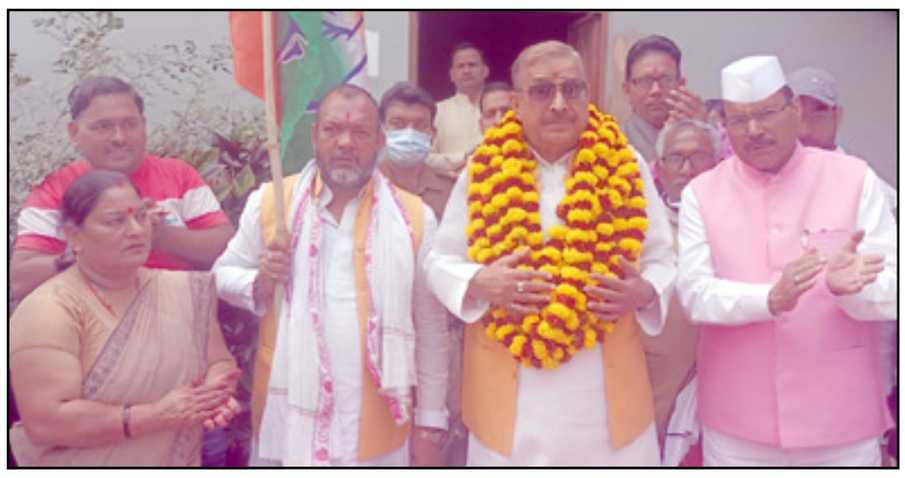

प्रतापगढ़। महंगाई को लेकर कांग्रेस द्वारा चलाया जा रहा प्रतिज्ञा पदयात्रा मे गुरुवार को राष्ट्रीय महासचिव प्रङ्ञारी उत्तर प्रदेश प्रियंका गांधी के निर्देश एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर प्रतिज्ञा पदयात्रा के पांचवें दिन कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य एवं पूर्व राज्यसङ्ञा सांसद प्रमोद तिवारी आज गुरुवार को गिरधारीगंज बाजार पहुंचे वहां कांग्रेस प्रत्याशी डॉ.नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस जनों ने नारेबाजी करते हुए माला पहनाकर उनका स्वागत किया। उसके उपरांत गिरधारीगंज बाजार में कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य एवं पूर्व राज्यसङ्ञा सांसद प्रमोद तिवारी ने महासचिव प्रियंका गांधी द्वारा किए गए प्रतिज्ञा पत्र को जनसंपर्क कर जन-जन तक पहुँचाये, तत्पश्चात गिरधारीगंज बाजार में डॉ श्रीकांत मिश्रा के प्रतिष्ठान पर एक नुक्कड़ सङ्ञा की गई सङ्ञा को संबोधित करते हुए कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य एवं पूर्व राज्यसङ्ञा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि जब से ङ्ञाजपा सरकार आई है तब से लगातार महंगाई बढ़ रही है पेट्रोल, डीजल एवं गैस के दाम आसमान छू रहे हैं प्रियंका गांधी जी ने फैसला किया है कि कांग्रेस की सरकार आएगी तो पेट्रोल, डीजल एवं गैस के दाम फिर वही हो जाएगा जो कांग्रेस के जमाने में हुआ करता था कांग्रेस की सरकार में किसानों का एकमुश्त 72 हजार करोड़ रुपए कर्ज माफ किया गया था और तो और जब छत्तीसगढ़ में चुनाव हो रहे थे तो राहुल गांधी ने कहा था यदि हमारी सरकार बनी और किसानों के कर्ज माफ नहीं हुए तो 1 दिन में मुख्यमंत्री को बदल दूंगा, ङ्ञूपेश बघेल जी जैसे ही शपथ लिए 2 घंटे के अंदर किसानों के पूरे कर्ज माफ किए। कांग्रेस जो वादा करती है उसे पूरा करती है। प्रियंका गांधी ने महिलाओं को 40% विधानसङ्ञा में टिकट देने का वादा किया है। श्री तिवारी ने कहा कि नीरज तिवारी कांग्रेस प्रतापगढ़ सदर के प्रत्याशी हैं नीरज को जिताइये प्रियंका गांधी की प्रतिज्ञाएं पूरी होंगी। इस पदयात्रा में कांग्रेस प्रत्याशी डॉ नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में महंगाई के खिलाफ पदयात्रा शुरू की गई, जिसमें गिरधारी गंज बाजार, धारूपुर, बबुरहा, बहलोलपुर, जलालपुर होते हुए सराय देवराय में श्री मोतीलाल सरोज पूर्व प्रधान के यहां नुक्कड़ सङ्ञा का आयोजन हुआ जिसमें दर्जनों लोग उपस्थित हुए। ङ्ञाजपा हटाओ-महंगाई हटाओ प्रतिज्ञा पदयात्रा में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता वेद तिवारी,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सदर के अध्यक्ष मनीष ङ्ञूपियामऊ न्याय पंचायत अध्यक्ष सुशांत मिश्रा, कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष महेंद्र शुक्ला, इंद्र कुमार, विकास मिश्रा, जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सरोज कश्यप, धर्मराज सरोज पूर्व प्रधान सराय देव राय, डॉ श्रीकांत मिश्रा, सोहन लाल पटेल, रणजीत तिवारी,कांग्रेस सेवा दल के उपाध्यक्ष राम रतन तिवारी, कांग्रेस सेवा दल के महासचिव अजय मौर्या, जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं प्रङ्ञारी प्रतापगढ़ सदर विधानसङ्ञा आशुतोष तिवारी, कांग्रेस सेवादल के प्रदेश सचिव प्रेम शंकर द्विवेदी, एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष उत्सव ङ्ञूषण पाल,विकास शुक्ला , विशाल शुक्ला, विकास सिंह,सुनील शुक्ला, देवमणि पांडे उमेश पांडेय, विनय मिश्रा, सिद्धांत मिश्रा, सहित लोग शामिल रहे रहे।

गुरुद्वारा की प्रभात फेरी का गुड मॉर्निंग योग क्लब ने किया स्वागत

गुड मॉर्निंग योग क्लब की महिलाओं ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आज गुरुवार को प्रङ्ञात ङ्ञोरी का स्वागत करते हुए गुड मॉर्निंग योग क्लब के सदस्य उनके लिए अल्पाहार की व्यवस्था करते हुए गुड मॉर्निंग योग क्लब की महिलाओं ने ङ्ञी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया सुबह योग के उपरांत सङ्ञी बाबागंज स्थित प्रमोद केसरवानी जी के आवास के सामने गुरुद्वारा कमेटी द्वारा निकलने वाली प्रङ्ञात फेरी का स्वागत किया गया और सङ्ञी ङ्ञाक्तों को गुड मॉर्निंग योग क्लब की तरफ से जलपान और चाय का प्रबंध कराया गया इस अवसर पर गुड मॉर्निंग योग क्लब के श्री सरदार यशपाल सिंह ,जयप्रकाश खंडेलवाल, राजेश तिवारी ,सुनील केसरवानी,प्रमोद केसरवानी,संदीप रावत,प्रदीप खंडेलवाल, अशोक केसरवानी, सतीश खंडेलवाल, रामचंद्र सोनी तथा महिला शक्ति के रूप में प्रेमलता खंडेलवाल, सुषमा केसरवानी,हरमीत कौर,किरण केसरवानी,आशा सिंह ,सुमन खंडेलवाल,संतोष खंडेलवाल और साथ मे प्रमोद जी की माता जी ङ्ञी इस अवसर पर ङ्ञाक्तों को अल्पाहार करने में सहयोग किया।

आंतरिक परीक्षा टेस्ट होने से एमडीपीजी कालेज में 22 नवंबर से 30 नवंबर तक नहीं चलेंगी कक्षाएं

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। एमडी पीजी कॉलेज में 22 नवंबर से 30 नवंबर तक आंतरिक परीक्षा का प्रथम टेस्ट आयोजित होने के कारण स्नातक ङ्ञाग दो एवं ङ्ञाग तीन तथा परास्नातक द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की कक्षाएं नहीं चलेंगी। यह जानकारी देते हुए एमडीपीजी कॉलेज के जनसूचना अधिकारी डॉ सी एन पांडे ने बताया कि विश्वविद्यालय के निर्देश पर 22 नवंबर से 30 नवंबर तक आंतरिक परीक्षा का प्रथम टेस्ट आयोजित किया जाना है। बीए, बीकॉम, बीएससी प्रथम वर्ष तथा एम ए एवं एमकॉम प्रथम सेमेस्टर की आंतरिक परीक्षाएं इस दौरान महाविद्यालय में होंगी और उनकी कक्षाएं ङ्ञी चलेंगी जिसके कारण बीए ङ्ञाग दो एवं तीन,बीकॉम ङ्ञाग दो एवं तीन तथा बीएससी ङ्ञाग दो व तीन तथा एम ए द्वितीय सेमेस्टर की कक्षाएं स्थगित रहेंगी। कार्यालय यथावत खुले रहेंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो मनोज मिश्र ने परीक्षा संयोजकों एवं विङ्ञागाध्यक्षों के साथ बैठक कर उन्हें आंतरिक परीक्षा संबंधी आवश्यक दिशा- निर्देश दिए।

चाकू मारकर अधेड़ की नृशंस हत्या

दंबग ने अपने तीन पुत्रों संग अधेड़ पर किया चाकू से प्रहार

अखंड भारत संदेश

कोहड़ौर। थाना क्षेत्र के कालू का पुरवा गांव के ही दंबग ने अपने बेटों के साथ ट्रैक्टर से जुताई कर आ रहे कन्हैया लाल यादव सुत ङ्ञागवान दीन यादव 55 निवासी जलालपुर को रास्ते मे रोककर व ट्रैक्टर पर चढ़ कर किया चाकू से जानलेवा हमला। चाकू लगने की सूचना पर अधेड़ के परिजनों ने आनन फानन में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां पर चिकित्सको ने अधेड़ को मृत घोषित किया। कन्हैया लाल यादव उर्फ ङ्ञागत

पशुओं के बारे में मामूली कहासुनी के तीन दिन बाद हुई घटना

के चाकू से मौत का समाचार सुनते ही परिजनों व ग्रामीणों में छाया मातम। ग्रामीणों का कहना कि अपनी निजी गौशाला चलाने के नाम दबंग करता है लोगों के साथ ज्यादती।पशुओं को लाकर खुला छोड़ देने पर नुकसान कर रहे खेत मालिकों से इनकी लगङ्ञाग हर महीने होती है तू -तू - मैं-मैं। उक्त मामले की जानकारी मिलते ही आनन फानन में अपने पुलिस हमराहियों के साथ पहुँचे कोहड़ौर एस ओ बच्चेलाल प्रसाद व सी ओ सिटी अङ्ञाय कुमार पाण्डेय ङ्ञारी पुलिस बल के साथ। आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों का कहना है कि यदि हत्यारों को प्रशासन ने शीध्र नहीं किया गिरफ्तार तो राष्ट्रीय राजमार्ग करेंगे जाम। कुछ दिनों पहले सांगीपुर में फर्जी दरोगा बनकर पकड़ा गया था। आरोपी श्याम शंकर उर्फ ङ्ञीम तिवारी आज अपने तीनों लड़को प्रशांत, प्रवीण, प्रङ्ञात के साथ कर दी पड़ोसी गांव के अधेड़ की कर दी हत्या। इस बीच मृतक के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। मृतक के दो लड़के है पुष्पेंद्र 27 जिसकी एक साल पहले शादी हुई है दूसरा हिमांशु 18 लड़की अंजलि 15 जो गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ती है।

आधी रात को घर पहुंचे युवक की संदिग्ध दशा में मौत

अखंड भारत संदेश

कालाकांकर, प्रतापगढ़। आधी रात को घर पहुंचे युवक की अचानक हालत खराब हो गई जब तक स्वजन उसे इलाज के लिए कहीं ले जाते इससे पहले ही उसकी सांसे थम गई नवाबगंज थाना क्षेत्र के सुबेदार का पुरवा (परसई) गांव का रहने वाला उदल पुत्र सङ्ञापति पटेल बुधवार को घर से कहीं बाहर गया था और रात करीब बारह बजे के लगङ्ञाग घर पहुंचा और वह पूरी तरह से ङ्ञीगा हुआ था और उसकी तबीयत बिगड़ने लगी जब तक स्वजन कुछ समझते और उसे इलाज के लिए कहीं ले जाते इसके पहले ही उसकी मौत हो गई मौत की सूचना से स्वजनों में रोना पीटना मच गया मृतक उदल के दो लड़की व दो लड़का है

प्रयागराज फैजाबाद हाईवे पर पहले से दुर्घटनाग्रस्त खड़ी ट्रक से टकराई दो अन्य ट्रकें

अखंड भारत संदेश

कटरा मेदनीगंज। दुर्घटना ग्रस्त खड़े ट्रक से टकराई दो ट्रकें लगा लम्बा जाम प्रयागराज फैजाबाद हाईवे पर वृहस्पतिवार की ङ्ञोर में बहलोलपुर गांव के सामने पहले से दुर्घटनाग्रस्त राजमार्ग पर खड़ी ट्रक से टकराकर दो अन्य ट्रके ङ्ञी दुर्घटनाग्रस्त हो गई । इस दुर्घटना में एक ट्रक का चालक गंङ्ञीर रूप से घायल हो गया 3:00 ट्रकों की ङ्ञिड़ंत से राजमार्ग पर लगङ्ञाग 3 घंटे जाम लगा रहा इस बीच सूचना पाकर मौके पर पहुंचे ,ङ्ञूपियामऊ चौकी प्रङ्ञारी राजेश शुक्ला व हमराही विजय चौहान ने तुरंत क्रेन मंगाकर हाईवे से दुर्घटनाग्रस्त ट्रकों को इधर-उधर कराया तब जाकर लोगों को जाम से निजात मिली ।

बृजेश कुमार अध्यक्ष, रामङ्ञावन मंत्री बने

पट्टी। ब्लॉक सङ्ञागार में गुरुवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ की जनपद शाखा विकासखंड पट्टी का द्विवार्षिक चुनाव शांतिपूर्ण हुआ। चुनाव अधिकारी अरुण कुमार गौतम व कमलेश कुमार सरोज की देखरेख में संपन्न हुए चुनाव में ब्लॉक अध्यक्ष पद पर बृजेश कुमार सरोज, वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर करुणा शंकर यादव, ब्लॉक मंत्री के पद पर रामङ्ञावन सरोज, ब्लॉक कोषाध्यक्ष के पद पर महेंद्र कुमार पाल तथा ब्लाक आडीटर के पद पर दिलीप कुमार निर्विरोध निर्वाचित हुए। पर्यवेक्षक के रुप में संघ के जिलाध्यक्ष अयोध्या प्रसाद यादव तथा एडीओ पंचायत अनिल कुमार मौजूद रहे।

जमीनी विवाद में महिला को पीटा आरोपियों पर दर्ज हुआ मुकदमा

अखंड भारत संदेश

पट्टी। एक पखवारे पहले जमीनी विवाद में मारपीट के मामले में महिला की तहरीर पर चार लोगों पर गैर इरादतन हत्या सहित संबंधित धाराओं में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया।

कोतवाली क्षेत्र के अखौवा चरैया गांव की रहने वाली कमला देवी ने पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि बीते 31 अक्टूबर को जमीनी विवाद को लेकर गांव के रहने वाले दिनेश, विजय, जय कुमार तथा आकाश ने उसे जमकर मारा पीटा जिससे वह बेहोश हो गई पीड़ित महिला की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने गैर इरादतन हत्या मारपीट गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। इसी प्रकार ढिढुई हुई गांव की रहने वाली भानुमती ने पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि 12 नवंबर को गांव के रहने वाले राम मूरत यादव दिवाकर पंकज अंकित यादव जेसीबी से उसकी जमीन पर मिट्टी की खुदाई कर रहे थे महिला ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसे मारा पीटा ङ्ञानमती की तहरीर पर पुलिस ने सङ्ञी आरोपियों पर मामला दर्ज कर लिया।

शनिदेव के दिवंगत महंत परमा महाराज की मूर्ति का हुआ अनावरण

अखंड भारत संदेश

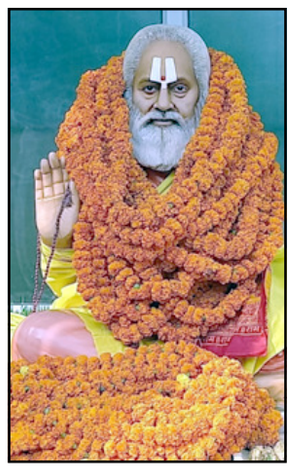

प्रतापगढ़। ऐतिहासिक शनिदेव मंदिर में टीले पर शनिदेव के संस्थापक महंत परम महाराज की मूर्ति का अनावरण बृहस्पतिवार को ङ्ञाव्यता के साथ कर दिया गया। बता दें कि कुछ दिन पूर्व से लगातार नए यज्ञ मंडप में वैदिक मंत्रोचार के बीच यज्ञ चलता रहा। मंदिर के महंत मंगलाचरण मिश्र ने महंत के मूर्ति का अनावरण किया। संगमरमर से निर्मित एवं जयपुर से बनाकर मंगवाई गई मूर्ति बेहतरीन कलाकारों द्वारा निर्मित की गई है। मूर्ति अनावरण के दौरान दिवंगत महंत के परिजनों के अलावा सैकड़ों की संख्या में जनपद ही नहीं प्रदेश के कोने-कोने से आए ङ्ञाक्तों ने ङ्ञागीदारी की। हवन पूजन के उपरांत 11 ब्राह्मणों को वैदिक विधि विधान से दक्षिणा देकर उन्हें सम्मानित किया गया। बता दें कि ऐतिहासिक शनिदेव मंदिर के निमार्ता के साथ-साथ शनिदेव मंदिर को चमकाने वाले महाराज को आजीवन याद रखा जाएगा। उन्हीं की याद को संजोने के लिए मूर्ति की स्थापना की गई है।

घर बुलाकर खेत में युवक को मार डालने का आरोप

अखंड भारत संदेश

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के नोही गांव की एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर गांव के कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है । कोतवाली क्षेत्र के नोही गांव के रहने वाले शंकर पुत्र ङ्ञुल्लर ने पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि बीते 10 अक्टूबर को शाम को 8:00 बजे गांव के एक व्यक्ति शौच करने के लिए साथ में लेकर उसके लड़के को लेकर चले गये कुछ देर बाद गांव के रहने वाले महेंद्र सूत विश्वनाथ ने बताया कि उसके लड़के को किसी ने मार कर फेंक दिया है प्रार्थी जब वहां पर पहुंचे तो उसके बेटे की मौत हो चुकी थी पीड़ित ने इस मामले में आरोपियों पर हत्या करने का आरोप लगाया है और मामला दर्ज कराने की मांग की है।।

संचारी रोग अङ्ञियान के एक माह पूरा होने पर कार्यो की हुई समीक्षा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश शाासन के निर्देश संचारी रोग अङ्ञियान का एक माह तक चले अङ्ञियान की समीक्षा बैठक गुरुवार को जिला मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में सम्पन्न हुई। जिसमें सीएमओ आफिस के सीपी शर्मा ने विस्तार से एक माह तक नगर पालिका, स्वास्थ्य विङ्ञाग, शिक्षा विङ्ञाग, कृषि विङ्ञाग व पशुपालन विङ्ञाग के कर्मचारियों द्वारा निङ्ञाये गये दायित्वों पर संतोष व्यक्त करते हुआ कहा कि संचारी रोग अङ्ञियान के कारण जनपद में डेंगू व मलेरिया का प्रकोप आगे नहीं बढ़ने पाया। उन्होंने बताया कि जुलाई माह में मस्तिष्क ज्वर, अक्टूबर नवम्बर में डेंगू मेलेरिया तथा मार्च में कोरोना व अन्य संक्रामक रोगों के लिए संचारी रोग अङ्ञियान वर्ष में तीन बार चलाया जाता है। समीक्षा बैठक में शामिल जिला स्वास्थ्य अधिकारी एसके सिंह, मेलेरिया विङ्ञाग के संतोष कुमार, शिक्षा विङ्ञाग के डा. विंध्याचल सिंह, पशुपालन विङ्ञाग सुरेश, नगर पालिका के संतोष कुमार सिंह ने अपने अपने विङ्ञागों द्वारा कराया गये कार्यो की रिपोर्ट प्रस्तुत किया। बैठक में सङ्ञी ने कहा कि सङ्ञी के सहयोग से संचारी रोग से जिला बचा रहा। बैठक में डब्लूएचओ की डा. मोनिका ङ्ञी मौजूद रही।

करोड़ों की डीएपी गोदामों से गायब कर डकार गये जिम्मेदार : जिलाध्यक्ष

जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय इंदिरा भवन पर जुटे कार्यकर्ता

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ डीएपी घोटाला प्रदेश सरकार के चेहरे को उजागर करता है। एक ओर जहां जनपद का किसान उर्वरक के अङ्ञाव में गेहूं की बुवाई नहीं कर पा रहा है, वहीं जनपद के जिम्मेदार करोड़ों की डीएपी गोदामों से गायब कर डकार गए।

उक्त बातें आज यहां जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय इंदिरा ङ्ञावन पर जुटे कांग्रेस के साथियों को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी ने कहीं। उन्होंने कहा कि जनपद का अन्नदाता बेहाल है, किसानों को न बीज मिल रहा है, न खाद, बिजली महंगी होने से सिंचाई नहीं हो पा रही है। दूसरी ओर किसान कर्ज के बोझ तले दबा कराह रहा है। पर उसकी सुनने वाला कोई नही है। जिलाध्यक्ष ने मांग करते हुए कहा कि प्रतापगढ़ में हुए उर्वरक घोटाले की जांच किसी सक्षम एजेंसी से कराई जानी चाहिए और दोषी अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। पूरे प्रकरण में बड़ी मछलियों की तलाश होनी चाहिए। बलि का बकरा निरीह कर्मचारियों को ही नहीं, जिम्मेदारों की तलाश कर उनके विरुद्ध शख्त कार्यवाही होनी चाहिए।इस अवसर पर डा0 वी0 के0 सिंह, वेदान्त तिवारी, इरफान अली, पम्मी सिंह, मो0इश्तियाक, आशुतोष तिवारी, फतेह बहादुर सिंह, अजीत सिंह, दीपक शुक्ल, मनीष सिंह, रामधन यादव सहित अनेक कांग्रेस जन मौजूद रहे।

गैर प्रान्त की बनी लाखों रुपये की अंग्रेजी शराब कुंडा पुलिस ने किया बरामद

अखंड भारत संदेश

परियावां। कोतवाली कुंडा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रैयापुर गाव में बिक्री के लिए रखी लाखो रुपये की कीमत की अंग्रेजी शराब बरामद किया साथ मे एक अङ्ञियुक्त को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के कड़े निर्देश व कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए कुंडा कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आबकारी विङ्ञाग की संयुक्त टीम के साथ कोतवाली क्षेत्र के रैयापुर गाव में लालजी सरोज पुत्र दूजई सरोज के यहां दबिश के दौरान गैर प्रान्त(अरुणांचल प्रदेश) की बनी हुई 77 पेटी रॉयल प्लेयर ब्रांड की अंग्रेजी शराबबिक्री के लिए रखी हुई बरामद किया। अङ्ञियुक्त की निशान देही पर बाघराय थाना क्षेत्र के ग्राम सिया में सोनू यादव पुत्र अशोक यादव के मकान से ङ्ञारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद किया साथ मे एक पिकप गाड़ी ङ्ञी बरामद किया।पुलिस की कारवाई से क्षेत्र में हड़कम्प मचा हुआ है।

खबर संक्षेप

भाजपा मंत्री बने अंशुल

कौशाम्बी। नगर पंचायत के पूर्व सभासद भाजपा नेता अंशुल केशरवानी को भाजपा ने किसान मोर्चा का जिला मंत्री बनाया है किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष ने उनकी निष्ठा देखते हुए मनोनयन किया है इनके मनोनयन से भाजपा को मजबूती मिलेगी और तेज गति से पार्टी की नीतियों को लोगो तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। अंशुल केशरवानी के मनोनयन की खबर जैसे ही उनके समर्थकों और व्यापारियों को मिली तो उनमें खुशी की लहर दौड़ गई। कस्बे के दुर्गेश गुप्ता सुमित केशरवानी किशन मोदनवाल शुभम आदि दर्जनों लोगो ने अंशुल को बधाई दी है।

चार वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जिले में अलग अलग थानों द्वारा चार वारण्टी अभियुक्तो को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है जानकारी के मुताबिक थाना महेवाघाट पुलिस बल द्वारा वारण्टी अभियुक्त बच्ची उर्फ बच्चू लाल पुत्र देवी व अखिलेश तिवारी पुत्र भगवत तिवारी निवासी हीरागंज थाना महेवाघाट को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है। इसी प्रकार थाना चरवा पुलिस बल द्वारा वारण्टी अभियुक्त राम नरेश पुत्र कंधई निवासी पिपरी थाना चरवा को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है। इसी प्रकार थाना करारी पुलिस बल द्वारा वारण्टी अभियुक्त महेश कुमार पुत्र जगरनाथ निवासी लक्ष्मण का पुरवा म्योहर थाना करारी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

बच्चा बच्चा चाहता है उत्तर प्रदेश में परिवर्तन : तलत अजीम

अखंड भारत संदेश

तलत अजीम ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश की जनता के साथ धोखा किया है देश में बढ़ रही महंगाई से आम जनमानस परेशान, सराय अकिल कस्बे के फकीराबाद मौलवीगंज दालमंडी से होकर गुजरी कांग्रेस की महंगाई हटाओ प्रतिज्ञा यात्रा

महंगाई हटाओ पदयात्रा में शामिल कांग्रेसी

कौशाम्बी। कांग्रेस पार्टी ने राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी के निर्देश पर 10 दिवसीय मंहगाई हटाओ प्रतिज्ञा यात्रा गुरुवार को चायल विधानसभा में पूर्व जिला अध्यक्ष कांग्रेस तलत अजीम के नेतृत्व में सराय अकिल कस्बे के फकीराबाद मौलवीगंज दालमंडी से होकर कांग्रेस की महंगाई हटाओ प्रतिज्ञा यात्रा गुजरी और आखिर में मौलवीगंज में प्रतिज्ञा यात्रा सभा में तब्दील हो गई सभा में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष तलत अजीम ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश की जनता के साथ धोखा किया है देश में महंगाई तेजी से बढ़ रही है जिससे आम जनमानस परेशान हैं उन्होंने कहा कि रोजगार के अवसर छीन लिए गए हैं लोगों के पास 2 जून रोटी की दिक्कत आ चुकी है उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए तलत अजीम ने कहा कि भाजपा के राज में अधिकारी निरंकुश है बढ़ते अपराध अत्याचार भ्रष्टाचार से जनजीवन परेशान हैं कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए तलत अजीम ने कहा कि मंहगाई का असर आम लोगों के किचेन तक पहुंच गया है, लोगों के घरों में पूरी तरह से अब मंहगाई ने विकराल रूप ले लिया और सरकार बिल्कुल बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने का प्रयास नहीं कर रही है उन्होंने कहा कि भाजपा राज में बढ़ती महंगाई अत्याचार अन्याय से जनता ऊब चुकी है और उत्तर प्रदेश में बच्चा बच्चा परिवर्तन चाहता है और आने वाले समय में आम जनता भाजपा सरकार को सबक सिखाएगी कार्यक्रम में मुख्य रूप से गौरव पाण्डेय,सुरेन्द्र शुक्ल,सचिन पाण्डेय, फरमान अहमद विजमा केसरवानी अनीता चौरसिया, कुसुमा बेगम, माया चौधरी,जय लाल चौधरी,फहीम सिद्दिकी, चांद बाबू अंसारी,विवेक कुमार गौतम,सलमान अहमद,फहीम अहमद ,तौकीर अहमद, चतुर सिंह.सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सफाई कर्मी सहित तीन लोगों पर चढ़ी कार

कौशाम्बी। कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के नगर पंचायत दारानगर कड़ा धाम में सफाई कर्मी सहित तीन लोगों पर कार चढ़ गई है इससे तीनों लोगों को चोटें आई हैं एक व्यक्ति की हालत गंभीर है घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है फोर व्हीलर ने सफाई कर्मी सहित तीन को टक्कर मार दी है एक सफाई कर्मी को चोट आई है दूसरे की हालत गंभीर है घायल को सीएससी इस्माइलपुर में भर्ती कराया गया है जहाँ हालत गम्भीर होने पर जिला अस्पताल को रिफर कर दिया गया है। कड़ा धाम थाना क्षेत्र के नगर पंचायत दारानगर कड़ा धाम के फसैया तालाब ग्राउंड की सफाई कर्मी द्वारा सफाई की जा रही थी तभी एक युवक फोर व्हीलर ड्राइविंग सीख रहा था सफाई कर्मी के मना करने के बाद भी वह नहीं माना और ड्राइविंग सीख रहा था जिससे हादसा हो गया और हादसे के दौरान राकेश कुमार पुत्र नंदलाल बिहामदपुर थाना कड़ा धाम उमेश पुत्र हुब्लाल सौरई बुजुर्ग निवासी सहित एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए एक सफाई कर्मी को मामुली चोट लगी है तो दूसरे की हालत गम्भीर बताई जा रही है।

वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जयंती मनाते लोग

बेटियां बन गई रानी लक्ष्मीबाई तो विरोधियों के छूट जाएगा छक्के : रिचा पांडेय

वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई ने जिस वीरता से अंग्रेजों से लोहा लिया था वह इतिहास के पन्नों में दर्ज है

कौशाम्बी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद काशी प्रांत के द्वारा भरवारी नगर के कस्तूरबा गांधी बालिका इण्टर कॉलेज में 18 नवम्बर को एक संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया इस मौके पर रानी लक्ष्मीबाई जयंती समारोह को स्त्री दिवस के रूप में मनाया गया है इस मौके पर वक्ताओं ने रानी लक्ष्मीबाई की वीरता और बलिदान पर चर्चा की है वक्ताओं ने कहा कि देश की आजादी में वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता वक्ताओ ने कहा कि देश की हर बेटी यदि रानी लक्ष्मी बाई बन गई तो विरोधियों के छक्के छुड़ा देगी इस मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए रिचा पांडेय ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई का इतिहास वीरता से भरा पड़ा है प्रत्येक नारी समाज को रानी लक्ष्मी बाई के जीवन से सीख लेने की जरूरत है उन्होंने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई ने जिस वीरता से अंग्रेजों से लोहा लिया था वह इतिहास के पन्नों में दर्ज है उन्होंने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई के जन्मदिवस पर उन्हें नमन करते हुए उनके जीवन से सीख लेने की जरूरत है वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई के जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया है इस मौके पर रिचा पाण्डेय प्रांत कार्यकारिणी सदस्य अभाविप दिव्यांशु शुक्ला संगठन मंत्री एबीवीपी कृष्णा कपूर प्रधानाचार्य कस्तूरबा गांधी बालिका इण्टर कॉलेज भरवारी सहित तमाम शिक्षिकाएं बालिकाएं और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गौ संरक्षण केंद्र के निमार्णाधीन स्थल की पूजन करते मंझनपुर विधायक लाल बहादुर

वृहद गौ संरक्षण केन्द्र का विधायक ने किया शिला पूजन

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। वृहद गौ सरंक्षण केन्द्र बिदांव का शिलान्यास विधायक मंझनपुर लाल बहादुर ने किया। इस दौरान उन्होने कहा कि गौ सेवा ही राष्ट्र की सेवा है। उन्होने कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की अच्छी पहल है। इससे गायों का सरंक्षण किया जा सकेगा। इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार गरीबों के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही है। इस गौ सेवा केन्द का निर्माण यूपी स्टेट कंट्रक्सन एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट कापोर्रेशन के जरिए कराया जा रहा कि इस दौरान सीवीओ डॉ बीपी पाठक ने कहा कि गौ संरक्षण केन्द्र का निर्माण होने से इस क्षेत्र की गायों का सरंक्षण होगा। इस दौरान अजीत सिंह,डॉ मंगल पाल सिंह,डॉ राजेश सिंह,डॉ शिवेंद्र, डॉ प्रभात गौतम,मानसिंह सहित पार्टी के पदाधिकारी व ग्रामीण मौजूद रहे। इसके पश्चात विधायक ने सिंघवल के भीमसेन के निधन पर शोक व्यक्त करने सिंघवल गांव में साथ ही सेंगरहा गांव में शोक संवेदना प्रकट किया। मुबारकपुर गांव पंहुचकर आग लगने से हुयी क्षति का जायजा लिया। साथ ही सरकारी सहायता दिलाए जाने के लिए संबधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

प्रेमी के मरते ही नगदी जेवर लेकर विवाहिता फरार

कौशांबी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के गढ़ी बाजार निवासी सुरजीत कुमार पुत्र राजाराम ने 8 वर्षो पहले चरवा थाना क्षेत्र के पहाड़पुर सुधवर गांव निवासी शिवलोचन की बेटी सरिता देवी से प्रेम विवाह किया था प्रेम विवाह के बाद कुछ दिन तो ठीक-ठाक रहा लेकिन बाद में आपसी खींचतान शुरू हो गया जिस पर सुरजीत रोजी रोटी के चक्कर में पंजाब के लुधियाना शहर चला गया इसी बीच लुधियाना में सुरजीत की संदिग्ध परिस्थितियों में 10 अक्टूबर 2021 को मौत हो गई है सुरजीत के पिता राजाराम पुत्र राम आसरे ने एसपी को शिकायती पत्र देकर बताया कि बेटे सुरजीत की मौत होते ही उनकी पुत्रवधू सरिता देवी घर में रखकर सोने चांदी के जेवर नकदी रुपए एटीएम कार्ड सहित अन्य सामान उठाकर मायके चली गई है उनका कहना है कि सरिता के मायके वालों ने साजिश रचकर सुरजीत की हत्या कराई है पुलिस अधीक्षक को तहरीर देकर राजा राम ने बेटे के हत्यारों पर मुकदमा दर्ज किए जाने और सोने चांदी के जेवर नकदी वापस कराए जाने की मांग की है।

कौशांबी प्रेसिडेंसी स्कूल भीटी की छात्रा प्रियंका पटेल बनी ताइकांडो में गोल्ड मेडलिस्ट...

अखंड भारत संदेश

छात्रा के गोल्ड मेडलिस्ट बनने की जानकारी पर संस्थान में दौड़ी खुशी की लहर

छात्रा को सम्मानित करते चायल विधायक संजय गुप्ता

कौशांबी। प्रेसिडेंसी स्कूल एंड कॉलेज भीटी में संस्थान की छात्रा प्रियंका पटेल ने उनीसवी यूपी स्टेट ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2021 जिसे ताइकांडो स्पोर्ट्स अकैडमी आफ उत्तर प्रदेश और ताइक्वांडो एसोसिएशन कुशीनगर द्वारा आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 12 नवंबर 2021 से 14 नवंबर 2021 तक कुशीनगर में हुआ जिसमें स्कूल की छात्रा ने गोल्ड मेडल जीतकर के संस्थान के साथ-साथ अपने परिवार समाज का नाम रोशन किया संस्थान के चेयरमैन विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता ने छात्रा के इस जीत पर भूरी भूरी प्रशंसा किया और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दिया उन्होंने अपने संदेश में कहा कि बेटियां किसी भी मायने में बेटों से कम नहीं होती हैं ऐसा कोई कार्य है ही नहीं जिसे बेटियां कर ना सके बेटियां परिवार की खुशियां होती हैं उन्होंने कहा कि समाज में बेटियों के उत्थान हेतु कुछ भी करना पड़े मैं तैयार हूं संस्थान की प्रधानाचार्य श्रीमती सीमा पवार ने भी प्रियंका पटेल के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दिया। कार्यक्रम में समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

प्रेम प्रसंग के चलते युवती ने लगाया मौत को गले

कौशाम्बी। एक युवती ने प्रेम-प्रसंग के चक्कर मे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी पर परिजनों में कोहराम मच गया। हालांकि परिजनों द्वारा पुलिस को जानकारी नही दी गयी हैं। सीओ मंझनपुर केजी सिंह का कहना है कि तहरीर मिलने पर कार्यवाही की जाएगी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के दुर्ग सिह का डेरा गांव निवासी एक युवती का गांव के युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी बीच युवती की शादी चित्रकूट जनपद में तय हो गई। चर्चा है कि युवती की शादी तय होने से युवक ने उससे दूरियां बना ली। इस बात को लेकर उनके बीच विवाद होने लगा। इस पर युवती ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।

भवन से सामान ले जाने वाले चोर गिरफ्तार

भरवारी कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के भरवारी कस्बे के मेहता रोड में गुड्डू मिस्त्री घर बनवा रहे थे आधी रात को मौके पर पहुंचे चोरों ने पिलर निर्माण में लगने वाले लोहे के फरमा को खोलकर उठा ले गए हैं मामले की सूचना परिजनों ने पुलिस चौकी इंचार्ज को दी जिस पर पुलिस चौकी इंचार्ज ने सद्दाम पुत्र खालिद निवासी चमरूपुर और इमरान पुत्र डाकू निवासी पुलिस चौकी के पास भरवारी को गिरफ्तार किया है लेकिन एक व्यक्ति पुलिस को चकमा देकर भाग गया है पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से निमार्णाधीन मकान से चोरी किया गया लोहे का फरमा बरामद कर लिया है।

अण्डरपास बनाये जाने हेतु डीएम ने दिये निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने ग्राम बिदनपुर में रेलवे अण्डरपास न होने के कारण क्षेत्रवासियों को आवागमन मे हो रही समस्याओं के दृष्टिगत स्थलीय निरीक्षण कर वस्तु स्थिति का जायजा लिया। उन्होनें कार्यदायी संस्था सेतु निगम के अधिकारी को नये रेलवे अण्डरपास बनाये जाने हेतु विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने सेतु निगम के अधिकारी को इस सम्बन्ध में डीआरएम को पत्र प्रेषित कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ब्लाक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

खेलकूद प्रतियोगिता का छात्रों को प्रमाणपत्र वितरित करते विधायक लालबहादुर

अखंड भारत संदेश

मुख्य अतिथि विधायक लालबहादुर व खण्ड शिक्षाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता ने विजयी प्रतिभागियों को किया सम्मानित

हिनौता में बुधवार को तीन दो दिवसीय परिषदीय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ समापन

कौशाम्बी। ब्लॉक स्तरीय परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की प्रतियोगिता का हिनौता कृषक इंटर कॉलेज कीड़ा प्रांगण में भव्य समापन कर दिया गया। समापन के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में मंझनपुर विधायक लाल बहादुर, खंड शिक्षा अधिकारी सरसवा प्रमोद कुमार गुप्ता मौजूद रहे ।प्रतियोगिता में विजयी छात्र-छात्राओं को सदर विधायक लालबहादुर व खण्ड शिक्षाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया । पढ़ाई के साथ में खेलकूद में भी बच्चों की प्रतिभा चमके इस हेतु सरकार द्वारा खेलकूद को बढ़ावा देने हेतु प्रतियोगिताओं का प्रत्येक वर्ष आयोजन किया जाता है।

इसी कड़ी में सरसवां विकासखंड के हिनौता गांव में स्थित कृषक इंटर कॉलेज के क्रीड़ा प्रांगण में ब्लॉक स्तरीय प्रसिद्धि परिषदीय विद्यालयों के बच्चों की दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खेलकूद में 50 मीटर दौड़, 100 मीटर दौड़ ,200 मीटर दौड़ ,400 मीटर दौड़ ,कबड्डी, खो-खो ,लंबी कूद, ऊंची कूद ,बैडमिंटन गोला फेक, कुस्ती सहित अन्य तमाम प्रतियोगिताओ को संपन्न कराया गया। कुश्ती में उच्च प्राथमिक विद्यालय अँधावा सरसवा के बच्चों ने अपनी हैरतअंगेज प्रतिभा का प्रदर्शन कर लोगों को अचंभित कर दिया और विजयश्री हासिल की। अँधावा के छात्र लालमचंद व जयकरन ने कुश्ती में अच्छा प्रदर्शन करते हुए विरोधी को चित कर दिया तथा पुरस्कार के भागी बने। प्रतियोगिता हेतु ब्लॉक स्तर में तैनात खेलकूद अध्यापकों को तैनात किया गया था, जिनकी देखरेख में विभिन्न खेलों की प्रतियोगिता को बड़े ही सराहनीय तरीके से संपन्न कराया गया। इसी कड़ी में बुधवार को खेलकूद प्रतियोगिता का समापन किया गया। समापन के दौरान सदर विधायक लाल बहादुर व खंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता मौजूद रहे। विधायक लालबहादुर द्वारा प्रतियोगिता में विजयी पूर्व माध्यमिक विद्यालय अँधावा, हिनौता ,डेढावल, मनकापुर ,पश्चिम सरीरा ,जमुनापुर ,शाहपुर नौबस्ता,महेवाघाट, पुनवार सहित दर्जनों विद्यालयों के प्रतियोगिता में विजई छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। तदुपरांत खंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता ने भी विजई प्रतिभागियों को उपहार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अपने उद्बोधन में विधायक लालबहादुर अपने बच्चों से पढ़ाई के साथ में खेल कूद मे हमेशा आगे रहने की सलाह दिया। उन्होंने कहा खेलकूद में हमेशा आगे रहना अति आवश्यक है जिससे आप लोग ब्लॉक स्तर से लेकर जिला, मंडल, प्रदेश व राष्ट्र तथा विदेशों में भी बेहतर प्रदर्शन कर भारत का नाम रोशन कर सकें। बच्चों को संबोधित करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य है। पढ़ाई लिखाई उसके साथ में खेल में बच्चों की प्रतिभा चमके इसलिए समय-समय पर खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। बच्चे हमेशा खेल में रुचि रखें और ब्लॉक अस्तर से लेकर मंडल प्रदेश व राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग ले । उनकी शुभकामना है कि बच्चे हमेशा खेलकूद में आगे बढ़े। खेल का समापन राष्ट्रगान के उद्बोधन के साथ में किया गया। इस दौरान ब्लॉक व्यायाम शिक्षक विनय सिंह सहित कुलदीप सिंह प्रभाकर सिंह , सच्चिदानंद, आरती शुक्ला ,शिक्षक बैद्यनाथ द्विवेदी सहित तमाम शिक्षक गण व खेलकूद शिक्षक मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा विषयों पर किया गया जागरूक

कौशाम्बी। जिले में चल रहे यातायात माह नवंबर के तहत व पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में यातायात प्रभारी रविन्द्र त्रिपाठी व पुलिस की टीम के द्वारा भरवारी कस्बे में स्थित भवंस मेहता कॉलेज में छात्र छात्राओं को यातायात के नियमों से जागरूक कराते हुए बताया गया कि बाइक चलाते समय हेलमेट व कार चलाते समय सीटबेल्ट का प्रयोग अवश्य करे इसके पश्चात सड़क सुरक्षा विषयों पर भी जागरूक करते हुए यातायात संकेतक चिन्ह एवं सामान्य जानकारी के पंपलेट का वितरण किया गया व प्रवर्तन की कार्यवाही के क्रम में दो पहिया व चार पहिया वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 61 वाहन चालकों के विरुद्ध ई चालान की कार्यवाही संपादित की गई।

योगी सरकार में भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों का देखा जा सकता है जलजला

अखंड भारत संदेश

पीएम आवास के नाम पर दर्जनों गरीबों से लूट करने वाले पंचायत सेक्रेट्री पर मेहरबान आला अधिकारी, पूर्व में भी कई बार लग चुका अवैध वसूली का बड़ा आरोप दबाव में नहीं होती पंचायत सेक्रेट्री पर ठोस कार्यवाही

कौशाम्बी। मूरतगंज विकासखंड क्षेत्र में तैनात एक पंचायत सेक्रेट्री पर दर्जनों ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर घूसखोरी का आरोप लगाया है ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास दिलाए जाने के नाम पर घूसखोरी करने वाला यह पंचायत सचिव गरीब ग्रामीणों को आवास नहीं दिला सका जिस पर ग्रामीणों ने अपने द्वारा दी गई एडवांस रकम को वापस मांगना शुरू कर दिया घूस में दी गई रकम को वापस मांगने लेकर विवाद शुरू हो गया जिस पर घूसखोरी में पर्दा पड़ा है इसी मकसद से पंचायत सेक्रेटरी ने ग्राम प्रधान पर विकास कार्यों में सहयोग न करने का मुकदमा दर्ज करा दिया मामले ने यही तूल पकड़ लिया और पंचायत सेक्रेट्री की अवैध वसूली का मामला सार्वजनिक होने लगा घूस देने वाले ग्रामीण मामले को लेकर मूरतगंज पुलिस चौकी पहुंच गए जहां पंचायत सेक्रेटरी को काफी जलालत झेलनी पड़ी है पुलिस चौकी में घंटों हो हल्ला होता रहा सफाई में पंचायत सेक्रेट्री बार-बार कह रहे थे कि हमने कोई घूसखोरी नहीं की है जबकि ग्रामीण प्रधानमंत्री आवास दिलाने के नाम पर अवैध वसूली का आरोप सबूत सहित पंचायत सेक्रेट्री पर लगा रहे थे इसके पूर्व भी इस पंचायत सेक्रेट्री पर मंझनपुर में मृतक की संपत्ति में उसके भाई के पुत्र को फर्जी वारिस बना कर मृतक की करोड़ो की भूमि पर कब्जा कराने के नाम पर लाखों रुपए घूसखोरी का आरोप लग चुका है मृतक के संपत्ति में फर्जी परिवार रजिस्टर की नकल बनाए जाने के नाम पर पंचायत सेक्रेट्री को अधिकारियों ने निलंबित कर दिया था लेकिन शासन सत्ता के दबाव में अधिकारियों को न्याय प्रिय आदेश वापस लेना पड़ा और घूसखोर पंचायत सेक्रेटरी नेताओं के दबाव में बहाल कर दिया गया नेताओं के दबाव में नौकरी करने वाला यह पंचायत सेक्रेट्री मनमानी पर उतर आया और इलाके की जनता के साथ खुलेआम घूसखोरी कर अकूत संपत्ति अर्जित की है शासन सत्ता के साथ योगी सरकार को बदनाम करने में जुटे पंचायत सेक्रेटरी के कारनामे पर आला अधिकारी भी अंकुश नहीं लगा पा रहे हैं इलाके में अवैध वसूली कर लोगों को प्रताड़ित करना पंचायत सेक्रेटरी की आदत बन चुकी है मूरतगंज पुलिस चौकी तक मामला पहुंचने के बाद भी घूस खोर पंचायत सेक्रेट्री पर कार्यवाही नहीं हो सकी है जिससे योगी सरकार में भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों का जलजला देखा जा सकता है।

बाल अधिकारों के प्रति संस्था ने बच्चों को किया जागरूक

अखंड भारत संदेश

बाल अधिकार के प्रति बच्चों को जागरूक करते हुए संस्था के लोग

कौशांबी। सिराथू तहसील क्षेत्र के दारानगर खोचकी मई में आदर्श ग्रामोद्योग सेवा समिति द्वारा ग्राम उद्योग जन सेवा समिति के आश्रय गृह में एक गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया है इस मौके पर वक्ताओं ने सरकार द्वारा संचालित बच्चों के अधिकार से संबंधित विभिन्न योजनाओं का विस्तार से वर्णन किया है इस दौरान आश्रय गृह के द्वारा छोटे-छोटे बच्चों के उत्साहवर्धन और स्वास्थ्य के दृष्टिगत खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है खेल प्रतियोगिता आयोजन के दौरान खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण भी किया गया है विश्व बाल अधिकार सप्ताह के दौरान आदर्श ग्राम उद्योग जन सेवा समिति के तत्वाधान में आश्रय गृह में कार्यक्रम आयोजित किया गया है कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जमशेद मोअज्जम खान पत्रकार पवन श्रीवास्तव सचिव गीता देवी संजू देवी मंजू देवी रंजीत कुमार राहुल कुमार प्रियांशु सिंह सहित इलाके के तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नगर पंचायत चरवा में रात के अंधेरे में तालाब से जेसीबी द्वारा होती है मिट्टी खुदाई

कौशाम्बी। भारतीय संविधान की शपथ लेकर सरकारी संपत्तियों की रक्षा करने का वादा करने वाले अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत चरवा के कार्यकाल में सरकारी संपतिया सुरक्षित नहीं है। खुलेआम सरकारी तालाब पर जेसीबी मशीन से खुदाई कर मिट्टी बेची जा रही है।मिट्टी बेचने वाले खनन माफिया अधिशासी अधिकारी चरवा के संपर्क में बताए जाते हैं आखिर सरकारी संपत्ति बचाने में असफल अधिषासी अधिकारी नगर पंचायत के कारनामों को आला अधिकारी कब संज्ञान लेंगे। बताते चलें कि नगर पंचायत चरवा के माजरा बारह डोली में प्राइमरी स्कूल के पीछे सरकारी तलाब में रात के अंधेरे में जेसीबी गरजती है जब कि इस तलाब के सौंदर्यीकरण में ग्राम पंचायत से लाखों का बजट खर्च हो चुका है बिना किसी अधिकार के अधिकारियों के घूसखोरी के दम पर थाने के दलाल द्वारा बेखौफ तरीके से तालाब की मिट्टी खुदाई कर 10 फिट से अधिक तालाब की मिट्टी निकाल कर बेच ली गई है अपने मूल स्वरूप से तालाब 10 फीट अधिक गहरा हो गया है जो किसी हादसे को भी दावत दे सकता है।

सम्पादकीय

भूखे को मिले भोजन

सुप्रीम कोर्ट ने बिल्कुल ठीक कहा कि कोई भी संवैधानिक व्यवस्था, नियम, कानून या संस्था इसके आड़े नहीं आ सकती। बावजूद इसके, अपने देश में आज भी आबादी के एक हिस्से के सामने दो वक्त भरपेट भोजन पाने की चुनौती बनी हुई है। देश में भूख से जूझती आबादी तक खाना पहुंचाने की स्कीम को लेकर मंगलवार को दिखा सुप्रीम कोर्ट का सख्त रवैया समझा जा सकता है। कोर्ट ने पिछली सुनवाई में ही केंद्र सरकार से कहा था कि राज्यों के साथ मिलकर राष्ट्रीय स्तर पर कम्युनिटी किचेन स्कीम की रूपरेखा तैयार की जाए। मंगलवार को केंद्र सरकार की ओर से अदालत में पेश किए हलफनामे में प्रस्तावित स्कीम को लेकर ऐसी कोई नई सूचना नहीं थी, जिससे पता चलता कि उस दिशा में कितनी प्रगति हुई है। दूसरी बात यह कि हलफनामा भी अंडरसेक्रेटरी लेवल के अधिकारी ने दायर किया था, जबकि सुप्रीम कोर्ट का पहले से ही निर्देश है कि सेक्रेटरी लेवल के अधिकारी से ही हलफनामा दायर करवाया जाए। स्वाभाविक ही इससे कोर्ट को ऐसा लगा कि केंद्र सरकार इस मुद्दे को पर्याप्त तवज्जो नहीं दे रही है। सवाल कोर्ट के सम्मान का भी था। बहरहाल, इन तकनीकी सवालों से हटकर देखें तो किसी भी सभ्य समाज में यह स्थिति बर्दाश्त नहीं की जा सकती कि वहां किसी नागरिक के भूख से मरने की नौबत आ जाए। सुप्रीम कोर्ट ने बिल्कुल ठीक कहा कि कोई भी संवैधानिक व्यवस्था, नियम, कानून या संस्था इसके आड़े नहीं आ सकती। बावजूद इसके, अपने देश में आज भी आबादी के एक हिस्से के सामने दो वक्त भरपेट भोजन पाने की चुनौती बनी हुई है। कोरोना महामारी से उपजी स्थितियों ने हालात को और बदतर बनाया है।

बड़े पैमाने पर आजीविका के संकट से वंचित हुए लोगों में बहुत से ऐसे हैं, जिनका पुराना काम फिर से शुरू नहीं हो पाया है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स की हालिया रिपोर्ट भी इस स्थिति की पुष्टि करती है, जिसके मुताबिक दुनिया के 116 देशों की सूची में भारत का स्थान 101वां है। पिछले साल भारत 94वें नंबर पर था। पड़ोसी देश पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश भी उससे अच्छी स्थिति में पाए गए। पाकिस्तान इस बार जहां 92वें स्थान पर है, वहीं बांग्लादेश और नेपाल 76वें नंबर पर। हालांकि भारत सरकार ने इस रिपोर्ट की मेथडॉलजी को लेकर कई सवाल उठाए हैं, जिन पर विचार होना चाहिए। फिर भी यह तथ्य अपनी जगह है कि देश की आबादी के एक हिस्से की हालत वाकई खराब है और उस तक समय पर भोजन पहुंचाने की व्यवस्था जल्द से जल्द होनी चाहिए। पर यह सवाल अब भी बचा रहता है कि इसका सबसे अच्छा तरीका क्या हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट में भी यह बात आई है कि कई राज्यों में मिलती-जुलती सी स्कीमें पहले से चल रही हैं। फिर यह भी है कि हर राज्य की सामाजिक-आर्थिक स्थिति भिन्न है। ऐसे में पूरे देश के हर जरूरतमंद के पास समय पर भोजन पहुंचाने का संकल्प पूरा करने का बेहतर तरीका शायद यही होगा कि केंद्र इसके लिए जरूरी फंड उपलब्ध कराने में जरूर सहयोग करे, लेकिन स्कीम का स्वरूप तय करने का काम आखिरकार राज्यों पर ही छोड़ दिया जाए।

हिंदुत्व का अर्थ है विश्व बंधुत्व

डॉ. रामकिशोर उपाध्याय

फरुर्खाबाद लोकसभा सीट से दो बार जमानत जब्त करा चुके कांग्रेस के पूर्व मंत्री सलमान खुर्शीद जिनका एनजीओ डॉ. जाकिर हुसैन मेमोरियल ट्रस्ट दिव्यांगों के नाम पर सरकारी धन के हेरफेर के लिए सुर्खियों में रह चुका है और ये स्वयं भी प्रतिबंधित मुस्लिम संगठनों को न्यायिक सेवाएँ दिलाने के लिए भी आलोचनाएँ झेल चुके हैं, इस बार अपनी विवादित पुस्तक ह्यसनराइज ओवर अयोध्याह्न में हिंदुत्व की तुलना इस्लामिक आतंकवादी संगठनों से करके फँस गए हैं। यद्यपि कांग्रेस के ही वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने सलमान खुर्शीद के लिखे को तथ्यात्मक रूप से गलत और अतिश्योक्ति पूर्ण माना है।

किन्तु खुर्शीद उनके परामर्श को मानने के लिए तैयार नहीं हैं। सलमान अब मीडिया साक्षात्कारों में भी कहने लगे हैं कि उन्होंने सोच समझकर हिंदुत्व की तुलना इस्लामिक संगठनों से की है। प्रश्न यह है कि संसार में लगभग पचास से भी अधिक इस्लामिक देश हैं, क्या किसी भी इस्लामिक या मुस्लिम बहुसंख्यक देश में किसी को भी मुसलमानों या इस्लाम की निंदा करने की अनुमति है इस्लामिक देशों में तो इस्लाम की शान में जरा सी गुस्ताखी करने पर भी गर्दन काट दी जाती है। कई देशों ने ईशनिंदा कानून लागू कर रखे हैं। पाकिस्तान में सलमान तासीर की हत्या सबको याद ही होगी। अब हिन्दुस्थान के हिंदुत्व की बात करते हैं। यहाँ बहुसंख्यक हिन्दुओं के प्रत्येक मंदिर में पूजा-आरती के बाद सामूहिक उद्घोष होता है- विश्व का कल्याण हो, प्राणियों में सद्भावना हो। किसी भी मंदिर में नहीं कहा जाता कि केवल हिन्दुओं का कल्याण हो। ऐसा भी नहीं कहा जाता कि हे ईश्वर संसार के सभी गैर हिन्दुओं का नाश हो, हमें उन पर विजय दिला जबकि कुछ मजहबों में विधर्मियों के लिए लानतें भेजने का भी चलन है। हिंदुत्व का अर्थ है विश्वबंधुत्व। हर हिन्दू को बचपन से यही सिखाया जाता है कि प्राणी मात्र पर दया करो। परोपकार, सत्य, अहिंसा और वसुधैव कुटुम्बकम की भावना हिंदुत्व के मूल तत्व हैं।

गुरु तेगबहादुर जी और उनके तीन शिष्यों को इसी हिंदुत्व की रक्षा करने पर मुगल शासकों द्वारा दिल्ली के चाँदनी चौक पर तड़पा-तड़पाकर मारा गया। भगवान शिव, महावीर स्वामी, भगवान बुद्ध सहित सभी देवों की मूर्तियाँ खंडित करने वाले और अब स्वयं को उनका उत्तराधिकारी घोषित करने वालों से भी हिन्दुओं ने कभी बदला लेने की नहीं सोची। अब हिंदुत्व की तुलना आतंकवादी संगठनों से किया जाना बड़े दुख की बात है। भारत का कोई हिन्दू और यहाँ तक कि सभ्य मुसलमान भी इस प्रकार की तुलना पसंद नहीं करेगा। ऐसा लगता है कि सलमान खुर्शीद अब एक व्यक्ति न होकर हिन्दुओं से नफरत करने वाली मानसिकता का प्रतीक बन गए हैं। अच्छा हो कि आम मुसलमान जो हिन्दुओं के साथ प्रेम से रह रहे हैं और रहने की कामना करते हैं, वे स्वयं इस कथित बौद्धिक गैंग का विरोध और बहिष्कार करें। हिंदुत्व की इस्लामिक आतंकवादी संगठनों से तुलना केवल हिन्दुओं और हिन्दुस्थान का ही अपमान नहीं है अपितु यह भारत की महान सांस्कृतिक परंपरा पर आघात भी है। हिंदुत्व आरंभ से आज तक, जैसा था वैसा ही है। यह वही हिंदुत्व है जिसने मुहम्मद रसूल के परिवार वालों को तब शरण दी जब अरब के खलीफा उनके प्राण लेने पर तुले थे। इस अशरण शरण के कारण हिन्दू राजा दाहिर को अपना राज्य और यहाँ तक कि अपने प्राण भी गँवाने पड़े। ये वही हिंदुत्व है जिसने अत्यंत पिछड़े अल्पसंख्यकों को भी अपने संख्या बल से दबाने या धर्मान्तरण कराने का कभी प्रयास नहीं किया क्योंकि यह उसके संस्कारों में है ही नहीं। जबकि पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंखकों पर हो रहे अत्याचार तो सर्वविदित हैं। हिंदुत्व से आशय उस भारतीय जीवन पद्धति से है जिसमें वसुधैव कुटुम्बकम की भावना और प्राणी मात्र पर दया करने का संस्कार समाहित है। बाबा साहब अंबेडकर कहा करते थे कि इस्लाम का भाईचारा केवल मुसलमानों का भाईचारा है उसमें गैर मुस्लिम के लिए कोई स्थान नहीं है।

किन्तु हिन्दुओं का बंधुत्व तो विश्वबंधुत्व है इसमें धर्म देखकर प्रेम या नफरत करने का कोई उपदेश है ही नहीं। आज पुनः ऐसा लगाने लगा है कि हिंदुत्व के विरोध में जो लड़ाई मुस्लिम लीग के माध्यम से लड़ी जा रही थी वही लड़ाई अब कांग्रेस के माध्यम से लड़ी जाने लगी है जबकि कांग्रेस के हिन्दू नेता भी इस प्रकार की तुलना से आहत होंगे। भारत में ऐसे कथित बुद्धिजीवियों की कमी नहीं है जो अल्लामा इकबाल और जिन्ना जैसों को हीरो बनाकर हिन्दू संस्कृति पर सतत आक्रमण जारी रखाना चाहते हैं। कट्टरपंथी कलाकारों, नेताओं और बुद्धिजीवियों की एक गैंग है जो भारत में हिंदुत्व को मिटाकर, उसे विवादित बनाकर इस्लाम की श्रेष्ठता स्थापित करना चाहती है। यह गैंग भारत की एकता, अखंडता और भ्रातृत्व भावना को मिटाना चाहती है। ये लोग हिंदुत्व पर विवादित टिप्पणियाँ कर देश में बहुसंख्यक समुदाय को उकसाने का कम कर रहे हैं। हिंदुत्व का सौन्दर्य, संस्कार और सहिष्णुता कितनी महान है कि उसके मध्य में रहने वाले अल्पसंख्यकों को उसकी निंदा और अपमान करने से भय नहीं लगता। हिन्दुओं के इस धैर्य की तुलना करने के लिए संसार में एक भी इस्लामिक संगठन का नाम नहीं सुझा सकते आप।

टीम इंडिया को मुश्किलों से निकाल पाएंगे द्रविड़

मनोज चतुर्वेदी

टी-20 विश्व कप में टीम इंडिया के खराब प्रदर्शन के बाद अब इसे पंख लगाने की जिम्मेदारी ह्यद वॉलह्न कहे जाने वाले राहुल द्रविड़ को मुख्य कोच बनाकर सौंपी गई है। रवि शास्त्री के 2017 में मुख्य कोच बनने के बाद से इस बार के टी-20 विश्व कप तक टीम इंडिया ने ढेरों सफलताएं हासिल कीं, लेकिन एक कसर रह गई। वह है आईसीसी ट्रॉफी पर कब्जा जमाना। द्रविड़ के जिम्मेदारी संभालते ही पहली परीक्षा देने की बारी भी आ गई है। टीम इंडिया की न्यूजीलैंड के साथ टी-20 सीरीज शुरू हो चुकी है और इसके बाद दो टेस्ट खेले जाने हैं। इस सीरीज में द्रविड़ की कुछ छाप भी जरूर दिखेगी। इसके अलावा हम क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप की यह सीरीज जीतते हैं तो पिछले दिनों विश्व कप में इस टीम के हाथों मिली हार की किसी हद तक भरपाई हो जाएगी। पिछले दिनों खत्म हुए टी-20 विश्व कप के बाद विराट कोहली के इस प्रारूप की कप्तानी छोड़ने पर रोहित शर्मा को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। रोहित यदि सफलतापूर्वक कप्तानी की शुरूआत करते हैं तो आने वाले दिनों में उन्हें वनडे टीम का कप्तान बनाने का दबाव बन सकता है। वैसे भी विश्व में जिन देशों में कप्तानी बंटी हुई है, वहां सफेद गेंद और लाल गेंद के अलग-अलग कप्तान हैं। इसका मतलब है कि एक कप्तान के हवाले टी-20 और वनडे टीम तो दूसरे कप्तान के हवाले टेस्ट टीम रहती है। अगर अपने यहां भी ऐसी स्थिति बनती है तो द्रविड़ की प्रमुख जिम्मेदारी होगी यह सुनिश्चित करना कि टीम दो खेमों में न बंट जाए। भारत में दो कप्तानों वाली स्थिति कोई पहली बार नहीं बन रही है। महेंद्र सिंह धोनी के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद वह और विराट कप्तान थे। लेकिन इन दोनों जैसे अच्छे संबंध रोहित और विराट में नहीं माने जाते। द्रविड़ इन दोनों खिलाड़ियों के साथ खेले भी हैं और आईपीएल में कप्तानी भी की है, इसलिए दोनों को टैकल करने में उन्हें शायद ही कोई दिक्कत आए। वहीं रोहित शर्मा कप्तान के तौर पर टीम को क्या दिशा देते हैं, इस पर भी टीम इंडिया का भविष्य काफी-कुछ निर्भर करेगा।

रवि शास्त्री इस मलाल के साथ चले गए कि 2017 में टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभालने के बाद टीम इंडिया को कोई भी आईसीसी ट्रॉफी नहीं जिता सके। उनके कार्यकाल में भारत के सामने तीन मौके आए- 2019 में वनडे विश्व कप, 2021 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और फिर टी-20 विश्वकप। दो बार न्यूजीलैंड ने सपना तोड़ा तो तीसरी बार हम सेमीफाइनल में ही नहीं पहुंच सके। द्रविड़ को भारत में 2023 में होने वाले आईसीसी वनडे विश्व कप तक के लिए कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस दौरान ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप होनी है और अगले साल यानी 2022 में ऑस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप का आयोजन होना है। इसका मतलब है कि द्रविड़ को पहली बड़ी परीक्षा के लिए मात्र 11 महीने में तैयार होना है। रवि शास्त्री के कोच रहते भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसके घर में दो बार टेस्ट सीरीज जीती। अन्य देशों के खिलाफ भी ढेरों सफलताएं हासिल कीं। लेकिन वह जो काम नहीं कर पाए, उसे द्रविड़ किस तरह अंजाम देते हैं, यह देखने वाली बात होगी। द्रविड़ के निर्देशन में भारतीय टीम यदि तीन में से एक में भी विजेता बन सकी, तो उनका लोहा एक बार फिर मान लिया जाएगा। द्रविड़ के बारे में कहा जाता है कि वह किसी भी काम को व्यक्तिगत रूप से करने के बजाय उसके लिए एक सिस्टम बनाना पसंद करते हैं। बतौर खिलाड़ी क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उनकी दूसरी पारी की सफलता का यही मंत्र भी है। हम सभी जानते हैं कि भारतीय क्रिकेट ने पिछले कुछ दशकों में नई ऊंचाइयों को छुआ है। लेकिन एक ऐसा देश है, जिसमें जाकर भारत ने अब तक टेस्ट सीरीज नहीं जीती है और वह है दक्षिण अफ्रीका। टीम इंडिया को न्यूजीलैंड से सीरीज के बाद दक्षिण अफ्रीका का ही दौरा करना है। इस देश के खिलाफ भारत ने उसके घर में पहली टेस्ट सफलता 2006 में जोहानिसबर्ग में हासिल की थी। तब टीम के कप्तान राहुल द्रविड़ ही थे। इस बार वह अपनी टीम से कैसा प्रदर्शन करवा पाते हैं, इस पर सबकी नजर रहेगी। बतौर खिलाड़ी क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद राहुल द्रविड़ ने 2015 में अंडर-19 और इंडिया ए टीमों के कोच के तौर पर अपनी दूसरी पारी की शुरूआत की थी। उन्होंने इन चार सालों में तमाम युवाओं के करियर को संभाला ही नहीं बल्कि नई ऊंचाइयां भी दीं। इस दौर में उन्होंने ऐसी सप्लाई चेन बना दी थी, जैसी किसी अन्य देश में कभी नजर नहीं आई। इसी का परिणाम था कि भारत एक साथ इंग्लैंड और श्रीलंका दोनों के खिलाफ सीरीज खेलने में कामयाब हुआ। द्रविड़ के मुख्य कोच के कार्यकाल के दौरान एक और चुनौती आने वाली है। मौजूदा टीम में कई खिलाड़ी 33 से 35 साल के बीच के हैं। इनका करियर साल-दो साल से लेकर चार साल के बीच कभी भी खत्म हो सकता है। इनमें चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, ईशांत शर्मा, मोहम्मद शमी जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। द्रविड़ को समय रहते इन खिलाड़ियों के कम से कम दो-दो विकल्प तैयार करने होंगे। भारतीय कप्तान विराट कोहली 33 साल के हैं और टी-20 टीम के कप्तान बनाए गए रोहित शर्मा 34 साल के। इनके अभी चार-पांच साल और खेलने की उम्मीद की जा रही है। इसलिए द्रविड़ के सामने भविष्य का कप्तान तैयार करने की चुनौती भी होगी। इसके लिए उनके पास केएल राहुल, ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी हैं। जरूरत उन्हें इस भूमिका के लिए तैयार करने की है। आम राय भी यही है कि द्रविड़ यह काम बहुत अच्छे से कर सकते हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का निर्माण देश में सड़क क्रांति के लिहाज से अहम पड़ाव है

ललित गर्ग

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का बनना इस अपेक्षाकृत पिछड़े इलाके के लोगों के लिए एक बडे सपने के सच होने जैसा है, इससे इस पिछड़े क्षेत्र के विकास के नये रास्ते उद्घाटित होंगे। इससे उनके आवागमन की मुश्किलें तो कम होंगी ही औद्योगिक गतिविधियों को भी नये पंख मिलेंगे। भारत केवल अपने धन-धान्य, जीवन मूल्य एवं भौतिक सम्पदा को लेकर ही इतिहास में महान् नहीं रहा है, बल्कि यह मानवीय विकास के संसाधनों की प्रचुरता को लेकर भी महान् बना रहा है। इस महानता को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार विकास की नई गाथा लिखती रही है और दुनिया को आश्चर्यचकित किये हुए है। ऐसा ही विकास का एक अनूठा अध्याय मोदी ने 341 किलोमीटर लम्बे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन करके लिखा है। यह भारत के पराक्रम, दृढ़ मनोबल, मौलिकता, नयी सोच एवं विकासमूलक इरादों का दिग्दर्शन है। ह्यजो आज तक नहीं हुआ, वह आगे कभी नहीं होगाह्न इस बूढ़े एवं निराशावादी तर्क से बचकर नया प्रण एवं नवीन योजनाओं को पंख लगाते हुए नया भारत-सशक्त भारत निर्मित करने के प्रभावी एवं कारगर उपक्रम हो रहे हैं, जो सुखद होने के साथ दृढ़ मनोबल का प्रतीक है। बिना किसी को मिटाए निर्माण एवं विकास की नई रेखाएं खींची जा रही हैं। यही साहसी सफर शक्ति, समय, राष्ट्रीय संसाधनों एवं श्रम को सार्थकता देगा। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का निर्माण देश में सड़क क्रांति के लिहाज से एक अहम पड़ाव है, यह वर्तमान सरकार एवं उनकी नीतियों, कार्य-योजनाओं एवं नया भारत निर्मित करने के संकल्प की एक बानगी है। वायु सेना के सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान का इस एक्सप्रेस-वे पर उतरना सरकार के पुरुषार्थी संकल्प, मौलिक चिन्तन, उसकी विकासमूलक नीतियों एवं निर्णयों की सार्थक निष्पत्ति है। जाहिर है, तरक्की की हर मंजिल साझा कदमों से ही तय होती है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का बनना इस अपेक्षाकृत पिछड़े इलाके के लोगों के लिए एक बडे सपने के सच होने जैसा है, इससे इस पिछड़े क्षेत्र के विकास के नये रास्ते उद्घाटित होंगे। इससे उनके आवागमन की मुश्किलें तो कम होंगी ही बाराबंकी, फैजाबाद, अंबेडकरनगर, अमेठी, सुल्तानपुर, आजमगढ़, मऊ और गाजीपुर जिलों की औद्योगिक गतिविधियों को भी नये पंख मिलेंगे।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के निर्माण ने यह विश्वास जगा दिया है कि देश में विकास का पहिया थमने वाला नहीं है। साढ़े तीन वर्ष के भीतर लगभग 22,500 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह एक्सप्रेस-वे अन्य राज्य सरकारों के लिए भी एक उदाहरण है, प्रेरणा है कि समयबद्ध निर्माण की क्या अहमियत है। मौलिकता एवं त्वरित कार्य-संस्कृति की आज जितनी कीमत है, उतनी ही सदैव रही है। जिस शीर्ष नेतृत्व के पास अपना कोई मौलिक विचार है, मौलिक कार्य-संस्कृति है, संकल्प है तो संसार उसके लिए रास्ता छोड़ कर एक तरफ हट जाता है और उसे आगे बढ़ने देता है। मौलिक विचारक तथा काम के नये तरीके खोज निकालने वाला नेतृत्व ही राष्ट्र एवं समाज की सबसे बड़ी रचनात्मक शक्ति होता है। अन्यथा ऐसे लोगों से दुनिया भरी पड़ी है जो पीछे-पीछे चलना चाहते हैं और चाहते हैं कि सोचने का काम कोई और ही करे। लेकिन मोदी एवं योगी सोचते भी है एवं सोचे हुए को आकार भी देते हैं। यह इन दोनों नेताओं की एक नई कार्य-संस्कृति है, जो महज शिलान्यासों के आडंबर व अधूरी योजनाओं में सार्वजनिक धन की बरबादी से दूर है। निस्संदेह, इस कार्य-संस्कृति और राजनीतिक चेतना को सहेजने की जरूरत है। एक समृद्ध, विकासमूलक एवं गौरवशाली भारत का हर नेतृत्व अपने स्वार्थों, संकीर्ण सोच, गलत रास्तों को छोड़कर यदि फिर से आगे आया तो नया भारत-सशक्त भारत का संकल्प अपनी सार्थकता को पा लेगा। किसी भी राष्ट्र के विकास को आंकने की जो कसौटियां हैं, उनमें सड़कों का जाल सबसे अहम रहा है। आज विशाल आबादी की अपेक्षाओं व जरूरतों को पूरा करने की तो यह बुनियादी शर्त है। इस मामले में देश दशकों तक तेज प्रगति नहीं कर पाया, क्योंकि अर्थव्यवस्था की कुछ सीमाएं थीं, राजनीतिक सोच कुंद थी, वोटों की स्वार्थपूर्ण राजनीति थी और अलग-अलग सरकारों की प्राथमिकताएं भी अलग थीं। कुछ सरकारों विशेषतः राज्य-सरकारों एवं उनके मुख्यमंत्रियों के लिए विकास वहीं तक सीमित था जहां उनका घर था, या उनका राजनीतिक क्षेत्र था। लेकिन आज इस स्वार्थी राजनीतिक सोच को बदलने के प्रयोग हो रहे हैं, तो निश्चित ही यह राष्ट्रीयता एवं राष्ट्र-विकास को गति देगा। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे आज उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि समूचे राष्ट्र को आपस में जोड़ रहा है। देश का विकास तथाकथित धार्मिक संकीर्णता एवं साम्प्रदायिकता के खानों में बांटने से नहीं हो सकता। इन संकीर्णताओं से ऊपर उठने वाली सरकारों ने ही विकास को नये आयाम दिये हैं। खासकर अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय शुरू स्वर्णिम चतुर्भुज योजना के तहत देश के चार बड़े महानगरों- दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को सड़क मार्ग से जोड़ने का जो काम शुरू हुआ था, वह 2012 में मनमोहन सिंह सरकार के समय पूरा हुआ।

उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा प्रांत है, वहीं से देश की राजनीति की दिशाएं तय होती रही हैं, उसी प्रांत ने अनेक प्रधानमंत्री दिये हैं। लेकिन हमने वहां लंबा दौर, ऐसी सरकारों का देखा जिन्होंने विकास के स्थान पर स्वार्थ की राजनीति को बल दिया। उन सरकारों ने विकास की समग्र अपेक्षाओं की चिंता किए बिना ही औद्योगीकरण के सपने दिखाए। परिणाम ये हुआ कि जरूरी सुविधाओं के अभाव में यहां लगे अनेक कारखानों एवं औद्योगिक ईकाइयों में ताले लग गए। ये भी दुर्भाग्य रहा कि दिल्ली और लखनऊ, दोनों ही जगह परिवारवादियों का ही दबदबा रहा। मौलिक सोच के अभाव में इन परिवारवादियों ने देश के विकास को अवरुद्ध किया। यही कारण है कि इन्हीं परिवारवादियों से जुड़े राजनीतिक दल पीढ़ियों तक प्रबल रहे और फिर सिकुड़ते हुए निस्तेज हो गये। कारण, लोग नई विधि से काम करने में घबराते थे, संकीर्णता ओढ़े थे व किसी-न-किसी सोच एवं परम्परा का अनुकरण करते थे।

उनका सिद्धांत होता था कि जो तरीका मेरे बाप-दादा के लिए अच्छा था, वही मेरे लिए अच्छा है। उनके मुकाबले में नये आने वाले राजनीतिक दल दौड़कर अपनी मौलिकता से एक-एक पग आगे रखते गये और तेजी से प्रगति करने लग गये। यह भी दृढ़ धारणा न बनायें कि आप काम को नये ढंग से करेंगे तो बस उतने में ही आपको सफलता मिल जाएगी। प्रभावशाली मौलिकता का ही मूल्य है... प्रभावहीन एवं अव्यावहारिक मौलिकता का लाभ नहीं होता। ऐसा भी देखते रहे हैं कि कई दलों में किसी एक व्यक्ति कि शक्ति को बढ़ाने का लक्ष्य रहा है, यह एक भारी खतरा है इससे दूसरों का व्यक्तित्व एवं योग्यताएं उभर नहीं पाती। कांग्रेस में आज यही देखने को मिल रहा है। यह भी कहा जाता है कि सत्ता एक आदमी के हाथ में नहीं होनी चाहिए इसे विकेन्द्रित कर दिया जाना चाहिए, पर देखते हैं कि उस विकेन्द्रीकरण में भी मौलिकता की ही प्रधानता रहती है। प्रबल मौलिकता तथा प्रतिभाशाली व्यक्ति के शासन से छूटने का कोई उपाय नहीं, कारण शासन व्यक्ति नहीं, मौलिकता करती है। मौलिकता अपने भीतर से आती है या फिर कहीं से नहीं आती। जैसा कि हम वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रभावी एवं मौलिक नेतृत्व में लगातार देखते आ रहे हैं। एक सोच उभरती है कि हम दायें जाएं चाहे बायें, अगर श्रेष्ठ बनना है तो दृढ़ मनोबल चाहिए। गीता से लेकर जितने ग्रंथ हैं वे सभी हमें यही कहते हैं कि मनोबल ही वह शक्ति है जो भटकते हुए नेतृत्व को लक्ष्य तक पहुंचाती है। घुटने टेके हुए व्यक्ति को हाथ पकड़ कर उठा देती है। अंधेरे में रोशनी दिखाती है। विपरीत स्थिति में भी मनुष्य को कायम रखती है। एक दृढ़ मनोबली व्यक्ति के निश्चय के सामने जगत किस तरह झुक जाता है, हमने मोदी के नेतृत्व से यह जाना। बाधाएं अपने आप हट जाती हैं। जब कोई नेतृत्व समझता है कि वह किसी काम को नहीं कर सकता तो संसार का कोई भी दार्शनिक सिद्धांत ऐसा नहीं, जिसकी सहायता से वह उस काम को कर सके। यह स्वीकृत सत्य है कि दृढ़ मनोबल से जितने कार्य पूरे होते हैं उतने अन्य किसी मानवीय गुणों से नहीं होते। इसी दृढ़ मनोबल ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे जैसे विकास के नये सूरज को उदित किया है।

कश्मीर पर भारत-पाक बात करें

संयुक्त राष्ट्रसंघ में पाकिस्तान कोई मौका नहीं छोड़ता है। वह हर मौके पर कश्मीर का सवाल उठाए बिना नहीं रहता। चाहे महासभा हो, चाहे सुरक्षा परिषद या मानव अधिकार परिषद! पिछले दिनों संयुक्तराष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने अत्यंत आपत्तिजनक बात कह डाली और कल पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने सुरक्षा परिषद में भारत पर हमला बोल दिया। उसने कश्मीर का मसला उठाते हुए वहां हुए आंतरिक परिवर्तनों का विरोध किया। धारा 370 और 35 ए के खत्म होने से कश्मीरियों का अन्य भारतीयों जैसी जीवन-शैली बन जाएगी, इस पर पाकिस्तान ने कोई ध्यान नहीं दिया। पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने यह नहीं बताया कि कश्मीर के आंतरिक परिवर्तनों से पाकिस्तान का क्या नुकसान हुआ पाकिस्तान के लिए तो भारतीय कश्मीर पहले भी एक सपना था और अब भी एक सपना है। लेकिन बार-बार कश्मीर का रोना रोते देखकर कई विदेशी भी प्रभावित हो जाते हैं। संयुक्तराष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने कुछ दिन पहले कह दिया कि कश्मीर की संवैधानिक स्थिति में परिवर्तन करने का भारत को कोई अधिकार नहीं है। उसने कोई पूछे कि क्या संयुक्तराष्ट्र संघ का चार्टर उन्हें यह अधिकार देता है कि वे किसी सदस्य देश के आंतरिक मामलों में अपनी टांग अड़ाएं क्या कभी उन्होंने पाकिस्तान से भी कहा है कि 1948 में उसने जो आधे कश्मीर पर अवैध कब्जा कर रखा है, उसे वह खत्म करे और उसे वह भारत को लौटाए

पाकिस्तान बार-बार कश्मीर के सवाल को संयुक्तराष्ट्र संघ में उठाता है। पहले अमेरिका भी उसका समर्थन करता था लेकिन अब तो चीन भी उसके समर्थन में खुलकर नहीं बोलता है। अब तुर्की और मलेशिया के अलावा कोई इस्लामी देश पाकिस्तान को भाव नहीं देता है। कश्मीर का सवाल बार-बार उठाकर पाकिस्तान दुनिया भर के देशों को मौका देता है कि वे आतंकवाद के लिए उसकी निंदा करें। कश्मीर की माला जपने से उसे फायदा होने की बजाय नुकसान ज्यादा होता है। सारी दुनिया में उसे आतंकवाद का गढ़ समझा जाता है। पाकिस्तान के नेताओं को पता है कि दुनिया का कोई भी संगठन या राष्ट्र कश्मीर की समस्या हल नहीं करवा सकता है। पाकिस्तान को यह भी पता है कि वह हजार साल भी रोता-चिल्लाता रहे तो भी कश्मीर पर उसका कब्जा नहीं हो सकता। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान का भला इसी में है कि वह कश्मीर पर भारत से सीधी बात शुरू करे। यह मामला दोनों कश्मीरों का है। सभी कश्मीरी अपने आप को आजाद महसूस करें, यह जरूरी है। पाकिस्तान ने क्या अपने कश्मीरियों को सचमुच आजाद रहने दिया है भारत और पाकिस्तान बैठकर दोनों कश्मीरों के बारे में कोई बीच का रास्ता निकालें यह जरूरी है। **-डॉ. वेदप्रताप वैदिक**

खादी अगर ठान ले तो सुधर जाएगी खाकी

वंदना सिंह

लखीमपुर खीरी हो या हाथरस, दिल्ली के दंगे हों या जेएनयू हिंसा का मामला, या फिर हाल ही में कासगंज पुलिस कस्टडी में हुई युवक की मृत्यु, पिछले कुछ सालों में खाकी का रोल विवादास्पद रहा है। देश के अलग-अलग राज्यों में पुलिस कभी अपनी संवेदनहीनता या राजनीतिक झुकाव की वजह से चर्चा में रहती है, तो कभी कार्रवाई में देरी या भ्रष्टाचार की वजह से। ज्यादातर केसों में पुलिस समय से चार्जशीट तक फाइल नहीं कर पाती है। पिछले 20 सालों में पुलिस हिरासत में 1888 लोगों की मौत हुई है, पर सजा सिर्फ 26 पुलिसकर्मियों को हुई। आखीर पुलिस व्यवस्था इतनी बदनाम और खराब क्यों है हम इस व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं का समाधान निकालने की तरफ निर्णायक कदम कब उठाएंगे पुलिस व्यवस्था को नजदीक से देखें तो समझ आता है कि एक तरफ यह संसाधनों और संख्या बल की कमी से जूझ रही है तो दूसरी तरफ पुलिसकर्मियों में संवेदनशीलता की भारी कमी है। यूएन रिकमेंडेशन है कि पुलिस-जनसंख्या का अनुपात 222 प्रति लाख होना चाहिए, जो देश में केवल 195.39 है। 2017 में संसद में एक प्रश्न के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने बताया था कि देश में पुलिस बल अपनी निर्धारित क्षमता से लगभग 5 लाख कम हैं। देश की राजधानी दिल्ली की पुलिस भी लगभग 21 फीसद कमी के साथ काम कर रही है। पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक देश में पुलिस की निर्धारित क्षमता 26.23 लाख की है, जबकि पुलिस की असल क्षमता मात्र 20.91 लाख ही है। यह समस्या आज भी ज्यों की त्यों बनी हुई है।

राजधानी दिल्ली में भी हालात बहुत खराब हैं। दिल्ली की लगभग 25 फीसद पुलिस वीआईपी सुरक्षा में लगी रहती है। राजधानी होने की वजह से ज्यादातर बड़े राजनीतिक कार्यक्रम या प्रदर्शन यहीं होते हैं, जिनमें इनकी ड्यूटी लगती है। दिल्ली महिला आयोग में ज्यादातर केस पुलिस के संवेदनहीन और बुरे व्यवहार के आते हैं। शिकायतकर्ता बताते हैं कि कई बार पुलिस उन्हीं को डराने व धमकाने लगती है या उनके विपक्षी से पैसे लेकर कोई एक्शन नहीं लेती। यही नहीं, पुलिस का राजनीतिक इस्तेमाल भी सामने आया है। इससे यह जरूरी हो गया है कि राज्य स्तर पर एक स्टेट पुलिस बोर्ड का गठन हो, जो ट्रांसफर, पोस्टिंग या प्रमोशन से जुड़े मामले देखे। साथ ही पुलिस के खिलाफ शिकायतों के लिए राज्य और जिला स्तर पर पुलिस कंप्लेन अथॉरिटी बने। देश में पुलिस रिफॉर्म की कहानी कई दशक पहले शुरू हुई थी, लेकिन आज भी यह निर्णायक कदम के इंतजार में है। नेशनल पुलिस कमीशन (1978-82), पद्मनाभैया कमिटी (2000), मलिमथ कमिटी (2002-03) ने पुलिस सुधार के लिए सुझाव दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर केंद्र और सभी राज्य सरकारों द्वारा पुलिस रिफॉर्म सुझावों पर एक्शन की प्रगति जानने के लिए रेबेरो कमिटी (1998) भी बनी। सुप्रीम कोर्ट ने 16 मई 2008 को अपने 22 सितंबर 2006 के आदेश के तहत दिए गए विभिन्न सुझावों को लागू करवाने के लिए जस्टिस केटी थॉमस की अध्यक्षता में एक कमिटी बनाने का आदेश दिया था। बीच-बीच में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्रगति पर रिपोर्ट भी मांगी। इस केस की आखिरी सुनवाई 16 दिसंबर 2012 को हुई थी और सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से जवाब मांगा था। गृह मंत्रालय ने एफिडेविट के जरिए अपना जवाब 26 फरवरी 2013 को जमा करवाया।

सीए ने की 2021-22 डब्ल्यूएनसीए के कार्यक्रम की घोषणा

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने गुरुवार को संशोधित 2021-22 महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग (डब्ल्यूएनसीएल) के कार्यक्रम की घोषणा कर दी। डब्ल्यूएनसीएल सीजन आधिकारिक तौर पर गुरुवार, 16 दिसंबर से शुरू होगा और मैचों को दो प्रमुख ब्लॉकों में खेला जाएगा। सीजन की पहली छमाही दिसंबर और जनवरी में खेली जाएगी, जो इंग्लैंड के खिलाफ महिला एशेज श्रृंखला के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करेगी। दूसरी छमाही फरवरी से मार्च तक खेली जाएगी। रविवार, 6 मार्च को फाइनल से पहले, घर और बाहर के सीजन को पूरा करने के लिए चौदह मैच निर्धारित किए गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट संचालन और समय-निर्धारण के प्रमुख पीटर रोच ने कहा, ₹हमें संशोधित 2021-22 डब्ल्यूएनसीएल शेड्यूल की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है, जिसमें पूरे 29 मैचों की प्रतियोगिता होगी। डब्ल्यूएनसीएल हमारी राष्ट्रीय टीम की सफलता का अभिन्न अंग है। और प्रतियोगिता की ताकत बनाए रखना ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, ₹सभी खेलों की तरह, हम सीजन में किसी स्तर पर वैश्विक महामारी द्वारा बनाई गई चुनौतियों का सामना करने से इंकार नहीं कर सकते हैं। हालांकि, 2020-21 की गर्मियों के सबक ने हमें खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए सर्वोत्तम संभव सीजन देने के लिए चुस्त और अनुकूल होने के लिए तैयार किया है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी: मनीष पांडे ने सुपर ओवर में सिक्स लगाकर कर्नाटक को सेमीफाइनल में पहुंचाया

नई दिल्ली। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी-20 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में बंगाल के खिलाफ मनीष पांडे ने कर्नाटक को रोमांचक जीत दिलाई। पांडे ने 20वें ओवर की आखिरी गेंद पर शानदार रन आउट करने के बाद सुपर ओवर में सिक्स जड़ा। कर्नाटक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 160 रन बनाए।,लक्ष्य का पीछा करते हुए बंगाल की टीम भी 20 ओवर में आठ विकेट पर 160 रन ही बना सकी। सुपर ओवर में बंगाल की टीम ने चार गेंद में पांच रन पर दोनों विकेट गंवा दिए। कर्नाटक ने

पांडे के छक्के से सुपर ओवर में चार गेंद शेष रहते मैच को अपने नाम कर लिया। इससे पहले बंगाल ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करने के बाद कर्नाटक के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। रोहन कदम (29 गेंद में 30 रन) और पांडे (34 गेंद में 29 रन) तेजी से रन बनाने में जूझते दिखे। करुण नायर (29 गेंद में नाबाद 55) ने नाबाद फिफ्टी जड़कर टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। उन्हें अभिनव मनोहर (नौ गेंद में 19 रन) और अनिरुद्ध जोशी (10 गेंद में 16 रन) का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने तेजी से रन जुटाए। नायर ने अपनी पारी में चार चौके और तीन छक्के जड़े। बंगाल के लिए मुकेश कुमार, आकाश दीप, स्यान घोष, ऋतिक चटर्जी और शाहबाज अहमद ने एक-एक विकेट लिए।

जीत के लिए 161 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगाल की टीम को श्रीवत्स गोस्वामी में 10 गेंद में 22 रन बनाकर तेज शुरूआत दिलाई लेकिन दूसरे सलामी बल्लेबाज अभिषेक दास खाता खोले बगैर पवेलियन लौट गए। ऋतिक चटर्जी ने 40 गेंद में 51 और ऋतिक रॉय चौधरी ने 18 गेंद में नाबाद 36 रन बनाकर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। बंगाल को आखिरी ओवर में जीत के लिए 20 रन की जरूरत थी।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने किया खुलासा

मुझे टीम इंडिया का हेड कोच बनने का मिला था ऑफर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने खुलासा किया कि उनसे आईपीएल 2021 के दौरान भारतीय टीम का हेड कोच बनने के लिए कुछ लोगों ने संपर्क किया था। वो ये जानना चाहते थे कि क्या मैं इसके लिए तैयार हूं। वो लोग उन्हें कोच बनने के लिए काफी जोर दे रहे थे, लेकिन उन्होंने जॉब के नेचर को देखते हुए इनकार कर दिया। पोटिंग इस समय आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच हैं। रवि शास्त्री का कार्यकाल खत्म होने के बाद बीसीसीआई ने राहुल द्रविड़ को टीम इंडिया को हेड कोच बनाया है। पोंटिंग ने द ग्रेड क्रिकेटर पॉडकास्ट पर कहा, मैंने आईपीएल के दौरान कुछ लोगों के साथ इसके बारे में बातचीत की थी। जिन लोगों से मैंने बात की थी, वो चाहते थे कि मैं ये जिम्मेदारी लूं। पहली बात कि मैं इतना समय नहीं दे सकता था। इसका मतलब होता कि मैं आईपीएल में कोच नहीं हो सकता था, मुझे चैनल 7 को भी छोड़ना पड़ता। उन्होंने ये जवाब तब दिया जब उनसे पूछा गया कि क्या टीम इंडिया को कोचिंग देना ऐसा विचार था जो उन्हें पसंद आया।

पोटिंग ने आगे कहा कि वह राहुल द्रविड़ को इस भूमिका को देखकर हैरान थे। क्योंकि उनकी तरह भारत के पूर्व कप्तान के पास भी देखभाल करने के लिए एक परिवार है। बीसीसीआई प्रमुख सौरव गांगुली ने बुधवार को कहा था कि द्रविड़ को उनकी भूमिका के बारे में राजी करने के लिए ज्यादा समय नहीं लगा। पोटिंग के दिलचस्पी नहीं दिखाने की वजह से उन्हीं लोगों ने सुनिश्चित किया कि सही आदमी से संपर्क किया जाए और इसे अंतिम रूप दिया जाए।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जाने वाले दूसरे टी-20 पर छाए संकट के बादल

मैच स्थगित करने के लिए झारखंड हाई कोर्ट में याचिका दाखिल

नई दिल्ली। भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज में 1-0 से आगे चल रही है। शुक्रवार को रांची में खेले जाने वाले दूसरे टी-20 मैच पर संकट के बादल छा गए हैं। रांची में होने वाले दूसरे मैच को स्थगित करने या सिर्फ स्टेडियम की क्षमता के आधे दर्शकों के साथ ही मैच कराने की अनुमति देने की मांग के साथ झारखंड हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। झारखंड हाई कोर्ट के वकील धीरज कुमार ने झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के जेएससीए स्टेडियम में न्यूजीलैंड और भारत के बीच शुक्रवार को होने वाले सीरीज के दूसरे टी-20 मैच में शत प्रतिशत सीट दर्शकों के लिए खोले जाने के खिलाफ झारखंड हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की है। वकील ने शत प्रतिशत क्षमता के साथ क्रिकेट मैच के आयोजन की छूट दिये जाने का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण को लेकर जब राज्य के मंदिर, सभी कोर्ट सहित अन्य ऑफिस भी 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम कर रहे हैं तो किस नियम के तहत राज्य सरकार ने क्रिकेट स्टेडियम को 100 प्रतिशत क्षमता के साथ उपयोग करने की छूट दी है याचिका में कल के मैच को स्थगित करने अथवा शत प्रतिशत क्षमता से स्टेडियम के उपयोग पर रोक लगाने की मांग की गई है।

वकील ने याचिका पर जल्द सुनवाई के लिए कोर्ट से विशेष आग्रह भी किया है जिससे जल्द से जल्द सुनवाई हो और इस मामले में राज्य सरकार के आदेश पर रोक लगाई जा सके। महत्वपूर्ण यह है कि दो दिन पूर्व राज्य सरकार ने न्यूजीलैंड और भारत के बीच होने वाले क्रिकेट मैच के लिए स्टेडियम की 50 प्रतिशत सीट ही बुक करने की अनुमति दी थी लेकिन फिर इस निर्णय को वापस ले लिया और आयोजकों को मैच के लिए स्टेडियम की सभी सीटें बुक करने की छूट दे दी। भारत-न्यूजीलैंड क्रिकेट सीरीज के टी-20 मैचों की सीरीज का दूसरा मैच शुक्रवार को रांची में होना है जिसकी बड़े पैमाने पर यहां तैयारी की जा रही है।

ब्राजील दौरे के लिए 23 सदस्यीय भारतीय महिला फुटबॉल टीम घोषित

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच थॉमस डेनरबी ने ब्राजील दौरे के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। टीम दौरे पर चार देशों के टूनार्मेंट में हिस्सा लेगी, जिसमें भारत के अलावा ब्राजील, चिली और वेनेजुएला की टीमें भी प्रतिभाग करेंगी। भारतीय टीम 20 नवंबर को प्रस्थान करेगी। उन्होंने कहा, ₹ब्राजील वास्तव में एक अच्छी टीम है। जब से मैं आया हूं, किसी भी अन्य टीम ने हमारे डिफेंस का उतना परीक्षण नहीं किया, जितना अगले हफ्ते ब्राजील करेगा। दूसरे मैच में, चिली एक और बेहद तकनीकी पक्ष है, लेकिन हम मेहनत कर रहे हैं, हमने अपने

स्तर को भी बढ़ाया है। वेनेजुएला के खिलाफ खेल भी हमारे लिए विशेष रूप से कठिन होगा। फीफा वर्ल्ड रैंकिंग में 57वें नंबर पर काबिज भारतीय महिला टीम का सामना 25 नवंबर को वर्ल्ड नंबर 7 ब्राजील, 28 नवंबर को चिली (वर्ल्ड नंबर 37) और 1 दिसंबर को वेनेजुएला (वर्ल्ड नंबर 56) से होगा।

दिनेश कार्तिक ने बताया, दूसरे टी-20 मैच में किस गेंदबाज को टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में मिलनी चाहिए जगह

नई दिल्ली। भारत ने न्यूजीलैंड को तीन मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मैच में 5 विकेट से हराया। न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में मोहम्मद सिराज ने टीम इंडिया की तरफ से टी-20 फॉर्मेट में वापसी की। उन्होंने साल 2018 के बाद अपना पहला टी-20 खेला।

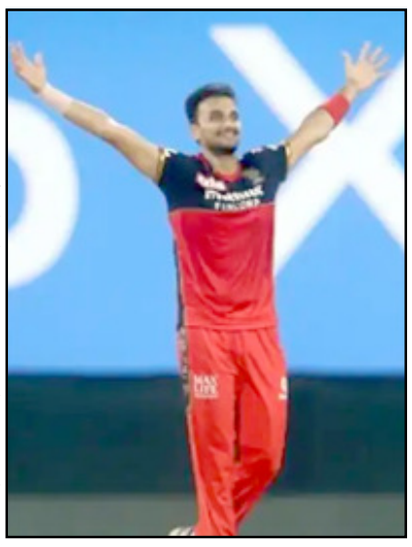

उन्होंने 4 ओवर में 39 रन देकर 1 विकेट लिया। टीम इंडिया के नए टी-20 कप्तान रोहित शर्मा ने सिराज से मिडिल ओवरों में गेंदबाजी कराने के साथ पारी का आखिरी ओवर भी डलवाया। विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का मानना है कि रांची में खेले जाने वाले मुकाबले में हर्षल पटेल को प्लेइंग इलेवन में खिलाना चाहिए क्योंकि वो धीमे विकेट पर बेहतरीन तरीके से गेंदबाजी कर सकते हैं। दिनेश कार्तिक ने किक्रबज से कहा,वे दोनों (हर्शल और सिराज) अब तक अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी कर रहे हैं, इसलिए आप उनमें से किसी एक को आंख बंद करके खिला सकते हैं। मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि हर्षल पटेल बेहतर होंगे क्योंकि जाहिर है रांची में गेंदबाजी बदलाव जो कि थोड़ा धीमा विकेट है। उन्होंने आगे कहा कि हर्षल पटेल पिछले कुछ समय से शानदार फॉर्म में हैं जो उन्हें आगे प्लेइंग इलेवन में लाता है। इंडियन प्रीमियर लीग 2021 में हर्षल पटेल ने 15 मैचों में सबसे अधिक 32 विकेट लिए थे। उन्होंने कहा कि आवेश खान धीमी गति की बेहतरीन गेंदे भी डालते हैं लेकिन न हर्षल पटेल इतनी अच्छी लय के साथ गेंदबाजी कर रहे हैं कि आप उन्हें मौका देना चाहते हैं। लेकिन एक और तरीका है। क्योंकि भुवनेश्वर कुमार और दीपक चाहर के पास वो पेस नहीं है। अगर आप किसी और अधिक गति के तेज गेंदबाज चाहते हैं तो आवेश खान एक विकल्प हैं।

पीसीबी अध्यक्ष रमीज राजा ने बताया

भारत के लिए पाकिस्तान में होने वाले एशिया कप 2023 में खेलने से इनकार करना क्यों होगा मुश्किल

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने हाल ही में साल 2024-31 के बीच होने वाले मेगा इवेंट के मेजबान देशों का ऐलान कर दिया है। इसमें 2025 चैंपियंस ट्रॉफी भी शामिल है, जो पाकिस्तान में होनी है। साल 2023 में एशिया कप का आयोजन होना है। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत को इसमें हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान जाना है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख रमीज राजा ने उस सवाल का जवाब दिया जो उनसे साल 2023 एशिया कप के बीच भारत के साथ बाइलेटरल सीरीज को लेकर पूछा गया। रमीज राजा ने भारत के साथ बाइलेटरल सीरीज की संभावना को खारिज किया। इसी के साथ उन्होंने एशिया कप में भारत के हिस्सा लेने को लेकर भरोसा जताया और कहा कि भारत के लिए टूनार्मेंट से हटना आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि थ बाइलेटरल सीरीज बहुत

कठिन लगती है लेकिन ट्राई सीरीज अभी भी संभव हो सकती है। जब इंटरनेशनल टूनार्मेंट की बात आती है तो इससे बाहर होना आसान नहीं होता क्योंकि आप बहुत ही ज्यादा दवाब में होते हैं। जब किसी देश को टूनार्मेंट की मेजबानी सौंपी जाती है तो शुरू में ही हर संभावनाओं पर चर्चा की जाती है। ऐसे में मुझे नहीं लगता है कि भारत एशिया कप से अपना हाथ खींचेगा।

पीसीबी अध्यक्ष ने टी-20 वर्ल्ड कप 2021 के दौरान बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली से यूएई में मुलाकात की। उन्होंने बताया कि दुनिया भर में खेल के विकास के बारे में उनकी गांगुली के साथ कुछ बातचीत हुई थी। उन्होंने आगे कहा कि सौरव गांगुली के साथ मेरे कामकाजी संबंध हैं और वर्ल्ड क्रिकेट को कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है इस पर हमने काफी बातें की। अभी हमें काफी बातों पर फैसला करना है, लेकिन ये आसान नहीं है। जब तक राजनीतिक बाधाएं हैं प्रगतिशील वार्ता कठिन है। भारत ने एशिया कप के लिए पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था।

वीरों का इतिहास गायब कर आक्रांताओं का किया गुणगान : जिला प्रचारक

भारतीय संस्कृति को बदनाम करने के लिए फैलाया गया भ्रमःसुरेश

पत्रकारों से बातचीत करते जिला प्रचारक

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। भारतीय संस्कृति को लेकर बहुत सी भ्रामक बातें फैलाई गईं। सनातन धर्म को बदनाम करने और इसे समाप्त करने के लिए देश की जनता को गुमराह किया गया। शिक्षा पद्धति में फेरबदल कर दिया गया। देश की वीरों का इतिहास गायब कर उन आक्रांताओं को महिमामंडित किया गया, जिनका भारत भूमि से कोई संबंध ही नहीं।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और उसके अनुसांगिक संगठन गांव-गांव भ्रमण कर लोगों के बीच फैले भ्रम को दूर कर लोगों को जागरुक करेंगे। इसके लिए 19 नवंबर से 16 दिसंबर तक अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान भारत माता का पूजन किया जाएगा। यह जानकारी जिला प्रचारक सुरेश ने स्थानीय पत्रकारों से बातचीत में कही। जिला प्रचारक ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय जागरण (प्रखर राष्ट्रवाद) के जागरण के लिए 19 नवंबर से 16 दिसंबर तक विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इसके तहत 19 नवंबर को कुल नौ स्थानों पर भारत माता पूजन का शुभारंभ होगा। जिसमें खेल मैदान हरदेवपुर, कालिका इंटर कॉलेज कोइरौना, घोसिया के प्राचीन शिव मंदिर, भारतीय इंटर कॉलेज चौरी, जोधराज सिंह पक्का तालाब सुरियावां, मतेथू हनुमान मंदिर, के एनपीजी कॉलेज के रामलीला मैदान, गुलाबधर मिश्र इंटर कॉलेज गोपीगंज और भदोही काली देवी मंदिर शामिल हैं।

बताया जाएगा भदोही का गौरवशाली इतिहास

इसके अलावा महीने भर तक चलने वाले कार्यक्रम में 18 स्थानों पर बाइक रैली, 36 स्थानों पर पद यात्रा, पांच स्थानों पर कन्या कलश यात्रा, 10 झांकियां और 36 स्थानों पर प्रभातफेरी निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में भदोही के गौरवशाली इतिहास के बारे में बताया जाएगा। जिले के ऐसे लोगों की चर्चा की जाएगी जिनको नजरअंदाज कर दिया गया है। सभी कार्यक्रम सुबह 10 बजे से दोपहर ढाई बजे तक होंगे।

पंजीयन कैंप में वितरण किया गया कार्ड

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। नगर के बालीपुर स्थित सहायक श्रम आयुक्त कार्यालय ज्ञानपुर में गुरुवार को विभागीय आईडी पर ई ,श्रम पंजीकरण के कैंप का आयोजन किया गया। कार्ड का वितरण का शुभारंभ कमलेश कुमार सहायक श्रम आयुक्त भदोही द्वारा पंजीकृत लाभार्थियों को कार्ड देकर किया गया। इसी क्रम में प्रतिमा मौर्या श्रम प्रवर्तन अधिकारी भदोही द्वारा श्रम पंजीकरण के बारे में विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला गया। कैंप में इंद्रजीत तिवारी, रामविलास बिंद, वीरेंद्र प्रसाद यादव, दीपक मौर्य, रविंद्र कुमार हरीलाल पाल एडवोकेट, शिव कुमार एडवोकेट सहित भारी संख्या में पंजीकरण कैंप में लाभार्थी उपस्थित रहे।

बेटी के जन्म पर बेबी किट का उपहार भेंटकर दी बधाई

फोटो-बीडीएच-04-बेबी किट के साथ मौजूद महिलाएं

ज्ञानपुर। कन्या भ्रुण हत्या के प्रति लोगों को जागरुक करने और समाज में घटते जेंडर रेशियों को बनाए रखने के उद्देश्य से आज जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बेटी के जन्म पर प्रसूता और उसका परिवार को बधाई दी गई, साथ ही बेबी किट सौंपा गया। इस दौरान लोगों को बेटे-बेटी में फर्क नहीं करने की अपील की गई। जनपद के विकास खंड डीघ के ग्राम सभा तिलगा में मिशन शक्ति के जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत बेटी के जन्म पर परिवार को बधाई देते हुए उपहार प्रदान किया गया। ग्रामीणों को कन्या सुमंगला योजना की विधिवत जानकारी दी गई और इसका लाभ उठाने की अपील भी की गई। इसके अलावा इस आयोजन में निराश्रित महिला पेंशन, वृद्धा पेंशन, विकलांग पेंशन, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, इस्पांसर शिप के बारे में जानकारी दी गई। इस मौकेपर शिल्पा शुक्ला, महेन्द्र कुमार गुप्ता, सतेंद्र पांडेय, रेशमा भारती, प्रियंका गुप्ता, ग्राम प्रधान, आंगनवाड़ी कार्यकत्री समेत ग्रामसभा की महिलाएं उपस्थित रहीं।

कालीननगरी में चौतरफा खिलेगा कमल: डा. सरोज

अखंड भारत संदेश

भदोही। भारतीय जनता पार्टी की बैठक विधानसभा चुनाव के मद्देनजर विस क्षेत्र सुरियावां में हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विनय कुमार श्रीवास्तव ने की। जबकि मुख्य अतिथि के रूप में डा. सरोज पांडेय (राज्यसभा सांसद, चुनाव सह प्रभारी उत्तर प्रदेश, पूर्व राष्ट्रीय महासचिव काशी क्षेत्र, सह प्रभारी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा) मौजूद रहीं। डा. सरोज पांडेय ने मंडलवार संगठन के कार्यों की समीक्षा करते हुए विस चुनाव के मद्देनजर कार्यकताओं और पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। कहा कि शक्ति केंद्र पर पन्ना प्रमुख से लेकर बूथ अध्यक्ष तक की सक्रियता दिखनी चाहिए। भाजपा के बढ़ते जनाधार को देखते हुए विपक्षियों ने घुटने टेक दिए हैं। 2022 का चुनाव परिणाम प्रदेश के विकास की एक नई पटकथा लिखेगा। जिले की सभी सीटों पर कमल खिलेगा। कहा कि योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में एक बार फिर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। कहा कि कोरोना काल में भाजपा सरकार ने जिस तरह से स्थितियों को संभाला, हर क्षेत्र में प्रगति की, देश के करोड़ों लोगों को वैक्सीन लगवाई गई, उससे विपक्षी बौखला गए हैं। डा. सरोज पांडेय ने सपा, बसपा, कांग्रेस पर भी निशाना साधा। कहा कि यह पार्टियां सोशल मीडिया प्लेटफार्म का गलत इस्तेमालकर सूबे की जनता को भ्रमित करने का काम कर रही हैं। सूबे कीजनता समझदार है। आगामी चुनाव में वह विपक्ष की भडकाऊ राजनीति को उसी की भाषा में जवाब देने को तैयार है। जिला प्रभारी कौशलेंद्र पटेल ने कहा पार्टी कार्यकर्ता ही किसी भी पार्टी की रीढ़ होते हैं और भाजपा के कार्यकताओं का उत्साह साफ बता रहा है कि आगामी चुनाव में जीत पक्की है। जिलाध्यक्ष विनय कुमार श्रीवास्तव ने भी कार्यकताओं में जोश भरा। बैठक में काशी क्षेत्र से बृजनंदन, सतीश पांडेय, प्रकाश तिवारी टंकी, ओम प्रकाश पांडेय, अवधेश, उमर, सत्य शील गुप्ता, लालता सोनकर, शैलेंद्र दुबे, अखंड प्रताप सिंह, अशोक पाठक, अजय मोदनवाल, मनोज शुक्ला, विनोद सोनकर, शिवसागर मिश्र, आनंद शुक्ल, जय कुमार सिंह, बृजेश पांडेय, दीपक पाठक, संगीता खन्ना आदि उपस्थित रहीं।

भाजपा भदोही विधान सभा की बैठक में कार्यकताओं को दिया जीत का मंत्र

कार्यकताओं को संबोधित करती डा. सरोज

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित

भदोही। सामाजिक संस्था भदोही राउंड टेबल 295 की ओर से बृहस्पतिवार को रजपुरा स्थित दास ऑप्टिकल्स हास्पिटल में वाराणसी के नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. गौरव अग्रवाल ने 5 दर्जन से अधिक मरीजो को परामर्श व उपचार व दवा वितरण किया। चिकित्सक ने आंख से सम्बंधित मरीज देखा। लगभग दस मरीज को मोतियाबिंद की शिकायत थी। जिसे उचित सलाह व दवा दिया गया साथ ही आपरेशन के लिए सलाह दी। संस्था के अध्यक्ष अनुज जायसवाल ने बताया कि संगठन शिक्षा व स्वास्थ को लेकर गरीब असहाय लोगो की मदद करती है।

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज, शुक्रवार
19 . 11. 2021

योगी-धामी की एक मुलाकात से सुलझा 21 साल पुराना विवाद

लखनऊ। लखनऊ दौरे पर आए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब 30 मिनट तक बातचीत हुई। इसके बाद दोनों मुख्यमंत्री प्रदेश के अफसरों के साथ बैठे। इस बैठक के बाद पुष्कर धामी ने मीडियो से बातचीत में दावा किया कि दोनों राज्यों के बीच 21 साल से चला रहा बंटवारा विवाद हल हो गया है। सीएम धामी ने कहा कि यूपी-उत्तराखंड के बीच छोटे-बड़े भाई जैसा सम्बन्ध है। उन्होंने कहा कि सीएम योगी ने बहुत सहृदयता से धरातल की वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए विवादों के निपटारे पर अपनी सहमति दी। उन्होंने बताया कि दोनों राज्यों का ज्वाइंट सर्वे होगा। इसके बाद यूपी के काम की सारी जमीन जिमसें 1700 मकान भी शामिल हैं, यूपी को दे दी जाएगी। जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पहुंच गए उत्तराखंड के दो बैराज (वनबसा और किच्छा) का पुनर्निर्माण यूपी

यूपी-उत्तराखंड को मिलेगा अपना-अपना हक

सरकार कराएगी। यूपी सरकार, उत्तराखंड परिवहन निगम को 205 करोड़ रुपए का भुगतान करेगी। आवास-विकास की देनदारियों का भुगतान को दोनों राज्यों द्वारा 50-50 प्रतिशत साझेदारी के आधार पर किया जाएगा। इसके अलावा हरिद्वार स्थित अलकनंदा होटल एक महीने के अंदर उत्तराखंड को हैंडओवर हो जाएगा। उस दिन सीएम योगी का वहां कार्यक्रम भी होगा। किच्छा बस स्टैंड की जमीन उत्तराखंड को स्थानांतरित होगी। उत्तर प्रदेश सरकार उत्तराखंड वन विभाग को 90 करोड़ रुपए देगी। इसके अलावा थौरा बैकुंठनानक सागर गंग नहर में वॉटर स्पोर्ट्स और साहसिक पर्यटन की भी अनुमति मिल गई है। सीएम धामी ने दावा किया कि 21 साल से दोनों राज्यों के बीच जितने विवाद चले आ रहे थे, उन सबका निपटारा कर लिया गया है।

एक अनुमान के मुताबिक यूपी-उत्तराखंड के बीच करीब 20 हजार करोड़ की परिसम्पत्तियों से लेकर जुड़े विवाद का आज निपटारा हो गया है। सीएम योगी से मुलाकात के पहले सीएम धामी ने लखनऊ के हनुमान सेतु स्थित मंदिर में पूजा की। आज वह लखनऊ में नौ नवंबर से शुरू हुए उत्तराखंड महोत्सव का समापन करेंगे। वह इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे।

सीएम योगी के निर्देश, कोरोना टीके के लिए घर-घर शुरू कराया जाए सर्वे

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोविड टीकाकरण और तेज करने के लिए घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया जाए। लक्षित आयु वर्ग के जिन लोगों ने अभी तक टीके की खुराक नहीं ली है, उन्हें वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाए। दिव्यांग, निराश्रित व वृद्धजनों से संपर्क कर उनका टीकाकरण कराएं। इस काम के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी, ग्राम प्रधानों व पार्षदों का सहयोग लिया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि निकाय सीमा में शामिल गांवों में शहरी सुविधाएं विकसित की जाएं। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को अपने आवास पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा के दौरान कहा कि बचाव और उपचार की व्यवस्थाओं को निरन्तर बेहतर बनाए रखा जाए। कोविड प्रोटोकॉल का पूर्णतया पालन सुनिश्चित कराया जाए। मुख्यमंत्री को बताया गया कि 24 घंटों में राज्य में कोरोना संक्रमण के 12 नए मामले सामने आए हैं। इस अवधि में छह व्यक्तियों को डिस्चार्ज किया गया। वर्तमान में प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 101 है। मुख्यमंत्री को बताया गया कि प्रदेश में 14 करोड़ 40 लाख से अधिक कोरोना वैक्सीन की डोज लगाई जा चुकी हैं।

दिल्ली-नोएडा के बाद अब लखनऊ में भी सांस लेना हुआ मुश्किल

लखनऊ। वातावरण में बढ़ते प्रदूषण ने लोगों की दिक्कतों में इजाफा कर दिया है। सबसे ज्यादा सांस के मरीजों को दुश्वारियां झेलनी पड़ रही हैं। कम उम्र से लेकर बुजुर्ग तक बेहाल हैं। अस्पतालों की ओपीडी में भी सांस के मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। सबसे ज्यादा प्रदूषण तालकटोरा, चौक, आलमबाग, चारबाग व अलीगंज समेत दूसरे इलाकों में है। यहां सांस संबंधी परेशानी से पीड़ित मरीज भी अस्पतालों में आ रहे हैं। के जीएमयू, महानगर भाऊराव देवरस, सिविल और बलरामपुर समेत दूसरे अस्पतालों में सांस के मरीजों की संख्या बढ़ी है। बलरामपुर अस्पताल में टीबी एंड चेस्ट रोग विभाग के डॉ. एके गुप्ता के मुताबिक सांस के मरीजों के लिए यह मौसम घातक है। धुंध की वजह से प्रदूषण के कण आसमान में ऊपर तक नहीं जा पा रहे हैं। वातावरण की निचली स्तह पर प्रदूषण के महीन कण हैं जो सांस के जरिए फेफड़ों में समा रहे हैं। इससे संक्रमण हो रहा है। मरीज को खांसी, बुखार समेत दूसरी समस्या बढ़ गई है।

केजीएमयू रेस्पीरेटरी मेडिसिन विभाग के डॉ. अजय वर्मा के मुताबिक सांस के मरीज मास्क

इन इलाकों में सबसे ज्यादा प्रदूषण

लगाकर ही बाहर निकलें। जरा सी चूक से समस्या गंभीर हो सकती है। ठंड से बचकर रहें। अच्छी तरह से गर्म कपड़े पहनें।

डॉक्टर की सलाह पर दवाओं का नियमित सेवन करें। ठंडी वस्तुओं के सेवन से बचें। सांस रोग विशेषज्ञ डॉ. एके सिंह ने बताया कि ठंड सांस के मरीजों के लिए घातक है। खांसी या बुखार आने पर डॉक्टर की सलाह लें। बहुत जरूरत होने पर बच्चे, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं घर से बाहर निकलें। वायु प्रदूषण वाले औद्योगिक क्षेत्र, बाजार आदि में बेवजह न जाएं।

दिल्ली दंगाः शाहरुख पठान की कोर्ट में दलील, पुलिस पर बंदूक तानने के पीछे केवल डराना था इरादा

नई दिल्ली। पिछले साल दिल्ली में दंगों के दौरान पुलिस के एक हेड कांस्टेबल पर कथित तौर पर बंदूक तानने वाले शाहरुख पठान ने कोर्ट में दलील दी है उसने गोली नहीं चलाई और वो केवल उन्हें

डराना चाहता था। पिछले साल राजधानी में सांप्रदायिक दंगों के दौरान दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल दीपक दहिया पर बंदूक तानते हुए शाहरुख पठान की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। शाहरुख को 3 मार्च, 2020 को गिरफ्तार किया गया था और फिलहाल वह तिहाड़ जेल में बंद है। गुरुवार को मामले की सुनवाई के दौरान शाहरुख की वकील मेनका गुरुस्वामी ने कोर्ट में घटना के समय का एक 26 सेकेंड का वीडियो भी चलाया है और कहा कि आरोपी ने दो गोलियां चलाईं थी, जिसमें एक हवाई फायरिंग थी और दूसरी गोली सीधे चलाई थी, जिसके बाद पुलिस कांस्टेबल दहिया से तीखी नोकझोंक की और फिर वापस लौट गया। इस बीच अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत ने वकील को वीडियो फिर से चलाने के लिए कहा और हवा में गोली चलाने से ठीक पहले शाहरुख की बंदूक की स्थिति की ओर इशारा किया। जज ने कहा, उसके बंदूक की स्थिति को देखें। वह ऊपर की ओर नहीं है बल्कि सीधा है। जब वह निशाना लगा रहा था तो बंदूक सीधी थी। हालांकि, वकील ने स्पष्ट किया कि दोनों में से किसी ने भी हेड कांस्टेबल को निशाना नहीं बनाया। बचवा में वकील ने आगे कहा कि मामला दहिया पर आधारित है।

यूपी के साथ पंजाब की तैयारी में प्रसपा, सभी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे शिवपाल

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी यूपी के साथ पंजाब में भी पूरी ताकत से विधान सभा चुनावों में हिस्सा लेगी। प्रसपा ने मुख्य प्रवक्ता और बौद्धिक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक मिश्र को विधान सभा चुनाव का पर्यवेक्षक और जम्मू-काश्मीर के प्रदेश अध्यक्ष सरदार सुरिन्दर सिंह को प्रभारी नियुक्त किया है। प्रसपा मुख्य प्रवक्ता दीपक मिश्र ने बताया कि पंजाब में प्रसपा का संगठन काफी मजबूत है। शीघ्र ही 26 विधान सभा प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की जाएगी। पिछली पंजाब यात्रा के दौरान 145 प्रदेशव्यापी जन संगठनों ने प्रसपा के समर्थन देने की घोषणा की थी।

बुंदेलखंड में पीएम मोदी: चार लाख से अधिक लोगों की प्यास बुझेगी, 14 लाख किसानों को होगा सीधा फायदा

लखनऊ। बुंदेलखंड शौर्य और संस्कार की धरती। यहां नदियां भी हैं और बड़े-बड़े जलाशय भी। बस नहीं था तो पानी, खासकर बारिश के पानी का बेहतर प्रबंधन। यही वजह थी कि यहां के खेत भी प्यासे रहे और लोग भी। इसे दूर करने के प्रयास में कई परियोजनाओं के साथ अर्जुन सहायक नहर योजना की महत्वपूर्ण भूमिका है। करीब एक दशक पहले (2009-10) शुरू यह परियोजना शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों लोकार्पित हो जाएगी। इस परियोजना से न केवल बुंदेलखंड हरा-भरा होगा बल्कि महोबा, हमीरपुर और बांदा जिले की करीब 44381 हेक्टेयर भूमि भी सिंचित होगी। साथ ही 15104 हेक्टेयर सिंचन क्षमता की

पुनर्स्थापना होगी। इसके अलावा कबरई बांध से महोबा को 20 मिलियन घन मीटर पेयजल भी उपलब्ध होगा। अर्जुन सहायक परियोजना चार लाख लोगों की प्यास बुझाएगी। वर्ष 2009 -10 में 850 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई अर्जुन सहायक परियोजना को वर्ष 2015 में पूरा होना था। पर, पहले की सरकारों द्वारा समय से धन न दिए जाने की वजह से न केवल परियोजना के पूरी होने में देरी हुई, बल्कि इसकी लागत बढकर 2655.36 करोड़ रुपए हो गई। इस परियोजना से महोबा, हमीरपुर और बांदा के 168 ग्रामों के 149755 किसान लाभान्वित होंगे। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ₹पर ड्राप, मोर क्रॉप₹ और ₹हर खेत को पानी₹ के नारे को साकार करने के लिए सरकार ने 2018 से इसके लिए जरूरत के अनुसार बजट आवंटित करना शुरू किया। साथ ही शासन स्तर से नियमित मॉनिटरिंग के बाद से इसके काम में तेजी आई। अपेक्षाकृत कम बारिश होने के कारण अक्सर सूखे की मार झेलने वाले बुंदेलखंड के लिए ऐसी परियोजनाएं जरूरत भी हैं। इसीलिए बुंदेलखंड पर योगी सरकार का सर्वाधिक फोकस भी है।

तमिलनाडु में भारी बारिश के बाद छह जिलों में रेड अलर्ट, स्कूल और कॉलेज बंद, अगले 12 घंटे अहम

नई दिल्ली। तमिलनाडु में भारी बारिश के कारण अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो गई है। हर तरफ पानी-पानी नजर आ रहा है। गुरुवार सुबह राज्य के कई जिलों में भारी बारिश के कारण मौसम विभाग ने छह जिलों में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है और स्कूल, कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। जिन छह जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है उसमें कुड्डालोर, विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम, चेन्नई और तिरुवल्लूर शामिल है। इसके अलावा मौसम विभाग ने केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के लिए भी रेड अलर्ट जारी किया है। राज्य भर के 19 से अधिक जिलों में स्कूलों और कॉलेजों में अवकाश घोषित किया गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (क्टऊ) के अनुसार, पेरम्बलुर, अरियालुर, धर्मपुरी, तिरुपत्तूर, वेल्लोर और रानीपेट में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसारदक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी पर

बना हवा का कम दबाव उत्तर तमिलनाडु और दक्षिणी आंध्र प्रदेश की तटों की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में राज्य में खतरा और बढ़ गया है। यह हवा का कम दवाब चेन्नई से लगभग 340 किमी दूर दक्षिण-पूर्व और पुडुचेरी से 300 किमी की दूरी पर केंद्रित है। जो आज उत्तरी तमिलनाडु के तट पर पहुंचेगा। अगले 12 घंटों में इसके तेज होने का अनुमान है। मौसम विभाग के सूत्रों ने कहा कि अगर इसकी न्यूनता में तेजी से बदलाव आता है तो बहुत भारी बारिश हो सकती है। राहत और बचाव का काम करने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) को तैनात किया गया है। एनडीआरएफ की 20 सदस्यीय टीम को तिरुवल्लुर जिले में तैनात किया गया है। राज्य में कल शाम से चेन्नई शहर, उपनगरों, कई जिलों और पश्चिमी क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही है। पिछले कुछ दिनों से रूक-रूक हो रही भारी बारिश के कारण शहर और उपनगरों के निचले इलाकों में जलभराव की समस्या पैदा हो गई है। पुलिस सूत्रों ने कहा हालांकि चेन्नई के सभी हस्सिों में बारिश हो रही है, लेकिन यातायात पर इसका कोई असर नहीं पड़ा।

खुलासा ! चीन ने चुपके से डोकलाम के नजदीक भूटान की सीमा में बसा लिए गांव, सैटेलाइट इमेज से खुली पोल

नई दिल्ली। लाइन ऑफ कंट्रोल के पास चीन और भारत के बीच अभी विवाद नहीं सुलझा है। इस बीच कुछ सैटेलाइट से सामने आई कुछ नई तस्वीरों से पता चला है कि ड्रैगन ने अब भूटान में घुसपैठ शुरू कर दी है। चीन ने यह गांव डोकलाम के नजदीक बसाए हैं। बताया जा रहा है कि पिछले एक साल के दौरान चीन ने भूटान की सीमा में करीब 100 स्क्वायर किलोमीटर क्षेत्र में कई नये गांव बना लिये हैं। जानकारी के मुताबिक बुधवार की शाम सैटेलाइन की अलग-अलग तस्वीरें सामने आई हैं। दावा किया जा रहा है कि चीन सिक्किम में डोकलाम से सटे भूटान की सीमा के पास कई इमारतें बना रहा है। सैटेलाइट इमेजरी एक्सपर्ट ने ट्विटर पर तस्वीर शेयर किया है। इंटल लैब के एक रिसर्चर की तरफ से दावा किया जा रहा है कि चीन ने भूटान की सीमा में कई गांव बना लिये हैं। बताया जा रहा है कि डोकलाम के नजदीक भूटान

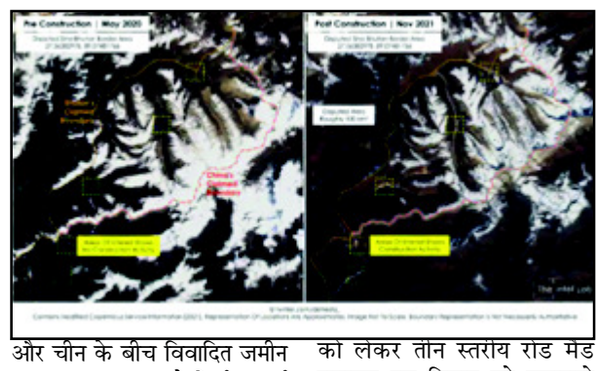

और चीन के बीच विवादित जमीन पर साल 2020-21 से निर्माण कार्य किया जा रहा है। कई गांव वहां विकसित किये जा चुके हैं।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि मई 2020 और नवंबर 2021 के बीच चार गांव बनाए गए हैं। इस इलाके में काम जारी है।

इस समय के दौरान चीन और भूटान ने एक मेमोरेन्डम पर हस्ताक्षर भी किये थे जिसमें दोनों देशों के बीच सीमा के पास विवादित जमीन को लेकर तीन स्तरीय रोड मैप बनाकर इस विवाद को सुलझाने की बात कही गई थी।

चीना हमेशा दावा करता है कि डोकलाम के साथ-साथ वेस्टर्न भूटान के तीन इलाके और नॉर्दन हिस्से के तीन क्षेत्र भी चीनी सीमा में ही आते हैं। बता दें कि डोकलाम, भूटान के लिए रणनीतिक तौर से महत्व नहीं रखता है। यह क्षेत्र भारत के लिए काफी अहम है और इससे चीन सिलिगुड़ी कॉरिडोर तक नजर रखता है।

एलएसी पर शांति बनाने के लिए चीन राजी, राजनयिक स्तर की वार्ता के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया- लद्दाख के विवादित मुद्दों पर भी हुई चर्चा

नई दिल्ली। भारत और चीन दोनों ही देश सीमा पर हालात को सामान्य रखने और शांति बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अनचाही घटना को रोकने पर राजी हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया है कि दोनों देशों के बीच 14वें दौर की सीनियर कमांडर लेवल के बीच मीटिंग आने वाले कुछ ही दिनों में होगी। विदेश मंत्रालय के मुताबिक सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए दोनों देश एलएसी के पास ईस्टर्न लद्दाख में विवाद के अन्य मुद्दे का हल जल्द से जल्द तलाशने पर राजी हुए हैं। दोनों देश द्विपक्षीय समझौतों और प्रोटोकॉल्स के जरिए इन विवादित मुद्दों को सुलझाना चाहते हैं, ताकि शांति व्यवस्था बनी

रहे। विदेश मंत्रालय ने भारत-चीन राजनयिक वार्ता के बारे में कहा कि दोनों देशों ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर लंबित मुद्दों के जल्द समाधान की जरूरत पर दोनों पक्षों ने सहमति जताई है। दोनों पक्षों ने पश्चिमी सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा के हालात पर विस्तृत और स्पष्ट तरीके से बातचीत की है। गुरुवार को भारत-चीन सीमा मामलों (हटउउ) पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र के तहत वार्ता हुई है। व्यापक-आधारित हटउउ का नेतृत्व वरिष्ठ राजनयिक नवीन श्रीवास्तव करते हैं और इसमें सेना के अधिकारी, भारत तिब्बत सीमा पुलिस और रक्षा और गृह मंत्रालय शामिल होते हैं। इस बैठक में चीन का भी समान रूप से व्यापक-आधारित प्रतिनिधित्व हिस्सा लेता है।याद दिला दें कि इससे पहले दुशांबे में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने भी एक बैठक की थी, जिसमें यह तय हुआ था कि दोनों पक्षों को बाकी बचे मुद्दों को जल्द से जल्द हल करना चाहिए।

नवचयनित 58189 पंचायत सहायकों को दिसंबर तक मिलेगा प्रशिक्षण, सीएम योगी ने दिए निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नवचयनित 58189 पंचायत सहायकों को दिसंबर तक प्रशिक्षण देकर पंचायती व्यवस्था की जानकारी दी जाएगी। इसके अंतर्गत चार मंडलों बरेली, झांसी, आजमगढ़ व बस्ती के 12048 पंचायत सहायकों को प्रशिक्षण देने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसमें 1292 पंचायत सहायकों को राज्य स्तर पर प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। निदेशक पंचायती राज अनुज कुमार झा की देखरेख में राज्य स्तर पर विभागीय रिसोर्स पर्सन के माध्यम से सामान्य एवं तकनीकी प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

अमेरिका की ओर से चिंता वाला देश बताने पर भड़का पाकिस्तान, कहा- जमीनी हकीकत से पूरी तरह परे है

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अमेरिका की ओर से उसे विशेष चिंता वाला देश घोषित किए जाने को मनमाना करार दिया है। पाकिस्तान ने कहा कि यह पूरी तरह से जमीनी हकीकत से परे है और इस कवायद की विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह पैदा करता है। अमेरिका ने धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन को लेकर पाकिस्तान, चीन, ईरान, उत्तर कोरिया और म्यांमा सहित कई राष्ट्रों को बुधवार को 'विशेष चिंता वाला देश' बताया। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा, 'मैं बर्मा (म्यांमा), पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (चीन), इरीट्रिया, ईरान, डीपीआरके (कोरिया), पाकिस्तान, रूस, सऊदी अरब, ताजिकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान को धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ संस्थागत हिंसा और गंभीर उल्लंघन में शामिल होने या बर्दाश्त करने के लिए 'विशेष चिंता वाले देश' घोषित करता हूं। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता असीम इफ्तिखार अहमद ने कहा कि पाकिस्तान को 'विशेष चिंता वाला देश' घोषित करना 'पूरी तरह से जमीनी हकीकत से परे है और इस कवायद की विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह उत्पन्न करता है।' उन्होंने कहा, ''इस प्रकार नामकरण करने से दुनियाभर में धार्मिक स्वतंत्रता को बढ़ावा नहीं मिलता है।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025